



स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता... ▶▶ 7



अंजना सिंह की पतोहिया हंटरवाली समेत ... ▶▶ 7



कदम-कदम पर विराजीं जगतजननी, ... ▶▶ 9

मौसम

अधिकतम तापमान
33.5 °C

न्यूनतम तापमान
19.3 °C

सूर्योदय - 6.09 | सूर्यास्त - 5.42

नवरात्र का नौवां दिन



अभिनेता टाइगर श्राॅफ पर जानलेवा हमला

मुंबई। मुंबई के जुहू इलाके से एक बेहद सनसनीखेज खबर आ रही है, जहां बॉलीवुड स्टार टाइगर श्राॅफ पर जानलेवा हमला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीन अज्ञात बाइक सवारों ने जुहू में टाइगर श्राॅफ को निशाना बनाकर अंधाधुंध ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि टाइगर को गोली नहीं लगी। इस घटना में एक प्रशंसक को गोली लगी है। कुल पांच राउंड गोली चलाई गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर तेजी से मौके से फरार हो गए। खबर मिलते ही मुंबई पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और मामले की नाकेबंदी कर जांच शुरू कर दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने टाइगर श्राफ पर हमले की जिम्मेदारी ली है। मुंबई पुलिस ने मामले की जांच के लिए 15 टीमों का गठन किया है।

नगर निगम सुपरवाइजर रिश्तत लेते पकड़ाया

सतना (स्वतंत्र मत)। सतना नगर निगम के सुपरवाइजर बालकृष्ण आदिवासी को लोकायुक्त रीवा की टीम ने रविवार को बिस्वा हाॅस्पिटल के सामने 2 हजार रुपए रिश्तत लेते रहे हाथों पकड़ा। सुपरवाइजर ने सफाईकर्मी राजकिशोर समुंद्रे की हाजिरी पूरी दर्ज करने के बदले 3 हजार रुपए की रिश्तत मांगी थी, 1 हजार रुपए वह पहले ही ले चुका था। राजकिशोर ने इसकी शिकायत लोकायुक्त रीवा में की। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाया और रविवार को उसे 2 हजार रुपए लेते पकड़ लिया।

कार ने मनरेगा के मजदूरों को कुचला, 8 की मौत

चंडीगढ़। पंजाब के संगरूर जिले के लहरागागा में एक भीषण सड़क हादसे ने कई गंभीर परिवारों को उजाड़ कर रख दिया। यहां मनरेगा के तहत सड़क पर काम कर रहे मजदूरों को एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में आठ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई मजदूर घायल हो गए। घटना के वक्त करीब 25 मजदूर सड़क पर काम कर रहे थे। अचानक हुई इस टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बस और कार की टक्कर में 5 लोगों की मौत

बीड। महाराष्ट्र के बीड में तुलजापुर जा रहे श्रद्धालुओं को ले जा रही एक कार की राज्य परिवहन की बस से टक्कर हो गई। जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण के लिए जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। घटना की खबर मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई और राहत व बचाव का काम शुरू किया।

उज्जैन के पास मिले 2 हजार साल पुराने अवशेष

उज्जैन। महाकाल वन की प्राचीन सीमाएं कहां तक फैली थीं और इसके प्रवेश द्वार किन क्षेत्रों में रहे होंगे? उज्जैन से करीब 40 किलोमीटर दूर सामानेरा और टुकराल गांवों में मिले पुरातात्विक अवशेष इन सवाल के जवाब तलाशने की नई राह खोल रहे हैं। यहां प्राचीन मिट्टी के बर्तन, टेराकोटा के खिलौने, शिवलिंग, देवी-देवताओं की प्रतिमाएं और मंदिरों के स्थापत्य खंड मिले हैं। ये अवशेष क्षेत्र के प्राचीन धार्मिक, सांस्कृतिक और स्थापत्य इतिहास को समझने के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। अवंती-मालवा क्षेत्र विरासत अनुसंधान एवं



संरक्षण यात्रा के तहत उज्जैन जिले की तरना, माकड़ौन, उज्जैन और महिदपुर तहसीलों के विभिन्न स्थलों का सर्वेक्षण किया गया। यात्रा के समन्वयक एवं सम्राट विक्रमादित्य

विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा तथा अधिनी शोध संस्थान के निदेशक और पुरातत्वविद् डॉ. रामचंद्र ठाकुर के अनुसार, सर्वेक्षण में शैव, शाक्त और वैष्णव परंपराओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आए हैं। इनकी व्यवस्थित जांच से प्राचीन उज्जयिनी और महाकाल वन के भौगोलिक विस्तार से जुड़ी नई जानकारी मिल सकती हैं। छोटी कालीसिंध नदी के किनारे बसे सामानेरा में ब्रह्माणी माता मंदिर की दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती की संयुक्त प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसे गुप्तकालीन माना जाता है।

तेज रफ्तार ट्रक ने 41 श्रद्धालुओं को कुचला, 15 की मौत

ग्वालियर

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में शनिवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने 41 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। दो पुलिसकर्मी समेत 26 लोग घायल हैं। हादसा देर रात करीब 1.30 बजे चीनौर रोड पर ढलान के पास हुआ। सभी श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए सड़क किनारे लाइन में लगे थे। तभी चीनौर की ओर से आ रहा धान से भरा ट्रक करीब 90 डिग्री के ढलान पर बेकाबू हो गया। शीतला माता मंदिर पर 9 दिन सभी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहता है। रात को चीनौर की ओर से मंदिर के पीछे वाली तरफ धान से ओवरलोड दो ट्रक आ गए। जानकारी के मुताबिक उनको पंजाब जाना था। ड्राइवर ने मोबाइल पर गूगल मैप लगाया और गूगल ने उनको यह रास्ता दिखा दिया। जब ढलान पर आए तो नीचे करीबन एक लाख लोगों की भीड़ दिखी। इसी समय अचानक ट्रक के ब्रेक फेल हो गए और ट्रक ढलान से लुढ़कता हुआ नीचे आ गिरा। ढलान पर ट्रक पुलिस चेकपोस्ट तोड़ते हुए लोगों को कुचलकर मंदिर की बाहरी दीवार और गेट से



जा टकराया। इससे मंदिर की दीवार ढह गई। कई लोग मलबे में दब गए। घायलों को जयराोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद परिजन ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और ट्रक मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि ट्रक का ब्रेक फेल हो गया था। सरकार ने सिटी एसपी को हटा दिया है। चार टीआई समेत 8 पुलिस अफसरों

को सस्पेंड किया गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर के अस्पताल पहुंचकर हादसे में मृतकों और घायलों के परिजनों से मुलाकात की। सिंधिया ने कहा कि रात के अंधेरे में ट्रक को प्रवेश कैसे मिला। ट्रक ग्वालियर तक कैसे पहुंचा, इसकी सख्ती से जांच होनी चाहिए। वहीं, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की कामना की है।

शनिवार : हादसों की काली रात

देश के 5 शहरों में 5 दर्दनाक हादसे हुए। इन हादसों में कुल 42 लोगों की मौत हो गई। अलग-अलग राज्यों और शहरों से आई इन खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। कोलकाता, आसनसोल, ग्वालियर, हैदराबाद और बलरामपुर में हुए हादसों में भगदड़, ट्रक हादसा, चिमनी गिरना, लाइटिंग स्टैंड गिरना और तेज रफ्तार वाहन की टक्कर जैसी घटनाएं शामिल हैं। कोलकाता के चौरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ की वजह से 19 लोगों की जान चली गई। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में 15 लोगों की दर्दनाक मौत की खबर है। बंगाल के आसनसोल में एक पावर प्लांट में निर्माणधीन चिमनी का एक हिस्सा ढह जाने से चार लोगों की मौत हुई है। यूपी के बलरामपुर में दुर्गा पंडाल के पास हादसे में 3 की मौत हो गई। हैदराबाद में डांडिया नाइट में लाइटिंग स्टैंड गिरने से एक छात्रा की मौत हुई है।

हादसे में लापरवाही

बरतने पर एक्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा- श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। इस दुःख की घड़ी में सरकार सभी प्रभावित परिवारों के साथ है। सभी घायलों का निःशुल्क इलाज किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस हादसे में लापरवाही बरतने पर झांसी रोड के सीएसपी रवि भदौरिया को हटाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा 8 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। निलंबित किये गए अधिकारियों-कर्मचारियों में झांसी रोड थाना प्रभारी शक्ति यादव, आंतरी थाना प्रभारी गीतेश शर्मा, झांसी रोड के ट्रैफिक थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी, निरीक्षक यातायात राघवेंद्र जादौन, प्रधान आरक्षक सुशील द्विवेदी और आरक्षक किशन खन्ना, अनिल जैतपुरिया व पवन सेंगर शामिल हैं।

कांग्रेस ‘संविधान’ की रक्षक...वोट चोरी करने वाले हमसे बच नहीं सकते: राहुल

गोवा में पार्टी के जनसंपर्क अभियान ‘गोंय राखण यात्रा’ का समापन

पणजी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को गोवा के दौरे पर रहे। इस दौरान वे पार्टी के जनसंपर्क अभियान ‘गोंय राखण यात्रा’ में शामिल हुए। कांग्रेस की यह यात्रा 22 सितंबर को शुरू हुई थी। इस यात्रा के तहत गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया। पार्टी ने इसे गोवा की जमीन, पहचान, पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए चलाया गया जनसंपर्क अभियान बताया है। यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों से संपर्क किया। राहुल गांधी ने दक्षिण गोवा के मडगांव में कांग्रेस की गोंय राखण यात्रा में हिस्सा लिया और पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ 2



किलोमीटर तक पैदल चले। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मार्च के बाद राहुल गांधी मडगांव पहुंचे, जहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि पूरे देश को पता है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार ‘वोट चोरी’ को अंजाम देते हैं और अमित शाह व पीएम मोदी उनका

समर्थन करते हैं। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता ने कहा, मैं आपको एक दिलचस्प बात बताता हूं, मेरे खिलाफ मानहानि के 45 से ज्यादा मामले दर्ज हैं, जिनमें अमित शाह, मोदी जी और अन्य लोगों से जुड़े मामले शामिल हैं। राहुल गांधी ने इस दौरान कहा- दिल्ली में ज्ञानेश कुमार

नाम का एक व्यक्ति है- उसे रात में नींद नहीं आती, उसे कहीं चैन नहीं मिलता। न तो मोदी जी को और न ही अमित शाह को। वे जानते हैं कि देर-सवेर, कांग्रेस पार्टी उनसे हिसाब मांगेगी और न्याय सुनिश्चित करेगी... हम संविधान के संरक्षक हैं- यह हमारा पवित्र कर्तव्य है। वोटों की चोरी करके, उन्होंने संविधान पर हमला किया है, हमारे पवित्र कर्तव्य पर हमला किया है और हम इसे बदर्राश नहीं करेंगे। कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं, ध्यान से सुनें- नरेंद्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार को न्याय का सामना करना पड़ेगा और उन्हें अपने किए की कीमत चुकानी होगी। राहुल गांधी ने कहा- यहां भारी भ्रष्टाचार है, असल में, गोवा शायद पूरे देश का सबसे भ्रष्ट राज्य हो सकता है... इन लोगों ने गोवा को भ्रष्टाचार का एक मॉडल बना दिया है।

मेरे खिलाफ दर्ज हैं 45 मामले

राहुल गांधी ने कहा- मेरे खिलाफ 45 मामले दर्ज हैं। फिर भी, मैं हर मंच से कहता हूं कि नरेंद्र मोदी वोट चुराते हैं, और ऐसा कहने के लिए मेरे खिलाफ कभी कोई मामला दर्ज नहीं किया जाता। क्या आप जानते हैं क्यों? क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वे ख़ास तौर पर ‘वोट चोरी’ को लेकर कोई मामला दर्ज करते हैं, तो यह एक बड़ी कानूनी लड़ाई बन जाएगी, और वे उसी में फंसकर रह जाएंगे।

जमीन, बेरोजगारी जैसे मुद्दे उठाए

कांग्रेस ने इस अभियान के दौरान गोवा में जमीन के इस्तेमाल और भूमि परिवर्तन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सार्वजनिक सुरक्षा और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने जैसे मुद्दे उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि गोवा की जमीन, पर्यावरण और स्थानीय संस्कृति की रक्षा जरूरी है। कांग्रेस ने इन विषयों पर अपनी बात रखकर विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाने की कोशिश की।

क्या है ‘गोंय राखण यात्रा’

‘गोंय राखण यात्रा’ कांग्रेस का गोवा में चलाया गया जनसंपर्क अभियान है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य की जमीन, पर्यावरण, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय पहचान से जुड़े मुद्दों को उठाना है। 22 सितंबर से शुरू हुई यह यात्रा राज्य की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंचने के लिए आयोजित की गई है और रविवार को मडगांव में राहुल गांधी की जनसभा के साथ इसका समापन हो गया है।

इंडिया में सिर्फ चुनावों के जरिए हो सकता है सत्ता परिवर्तन

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिज्जु ने रविवार को आरोप लगाया कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। कुछ नेताओं ने युवाओं को फेंकाने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की। रिज्जु ने कहा कि ऐसी खतरनाक साजिश रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। भारत में सत्ता परिवर्तन बिचकल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं। रिज्जु ने एक्स पर पोस्ट के अलावा एक वीडियो भी शेयर



सोशललिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट को उनके छटे सेंट्रल कॉन्फ्रेंस के लिए बधाई देते हुए एक वीडियो में भेजा था। इसमें उन्होंने कहा कि भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरित है। स्क्व बांग्लादेश के छात्र आंदोलन और तख्तापलट के घटनाक्रमों में सक्रिय था।

‘राष्ट्रपति’ नहीं...पर राष्ट्रपति हैं

गृह मंत्रालय पहुंचा मामला, नाम रखने पर कानून बनाने की मांग

“एक व्यक्ति का नाम ‘राष्ट्रपति’ है, और इसी नाम को लेकर अब देश में सवैधानिक पदों के व्यक्तिगत उपयोग पर कानूनी नीति बनाने की मांग उठाई गई है। इस पूरे प्रकरण ने प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में एक नई चर्चा छेड़ दी है। यह मामला अब देश की राजधानी दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन तक पहुंच गया है।” रायपुर।

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम घुटरा में एक ग्रामीण का नाम सरकारी दस्तावेज में ‘राष्ट्रपति’ दर्ज होने का मामला अब राष्ट्रपति सचिवालय तक पहुंच गया है। ब्लॉक कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने साविधानिक पदों और राष्ट्रीय गरिमा से जुड़े शब्दों के व्यक्तिगत नाम के रूप में उपयोग पर रोक लगाने तथा स्पष्ट कानून



बनाने की मांग उठाई है। राष्ट्रपति सचिवालय ने इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए इसे गृह मंत्रालय सहित संबंधित मंत्रालयों को आवश्यक कार्रवाय के लिए प्रेषित कर दिया है। सौरव मिश्रा ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार से साविधानिक और राष्ट्रीय पदों से जुड़े शब्दों के नाम के रूप में इस्तेमाल पर स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने का आग्रह किया है। उन्होंने अपनी मांग में ‘राष्ट्रपति’, ‘प्रधानमंत्री’, ‘मुख्यमंत्री’, ‘राज्यपाल’ और ‘भारत’ जैसे शब्दों के व्यक्तिगत नाम के रूप में इस्तेमाल को लेकर नियम निर्धारित करने की बात कही है। उन्होंने केंद्र सरकार से मौजूदा कानूनी व्यवस्था

की समीक्षा करने का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, आवश्यकता अनुसार कानूनी विशेषज्ञों से विचार-विमर्श करके एक नया विधेयक या उपयुक्त कानूनी प्रावधान तैयार करने की मांग रखी है ताकि भविष्य में इस तरह के मामलों में किसी प्रकार का भ्रम या असमंजस न रहे। ग्राम घुटरा के संबंधित ग्रामीण की पहचान सभी मुख्य सरकारी कागजातों में ‘राष्ट्रपति’ के नाम से ही अंकित है। प्राथमिक स्कूल के दाखिला रजिस्टर के अनुसार 14 जुलाई 1988 को उनका नाम ‘राष्ट्रपति’ के रूप में दर्ज किया गया था। इस मामले में स्कूल के प्रधानपाठक अनिल राय का कहना

है कि विद्यालय के रिकॉर्ड में यही नाम लिखा हुआ है और नाम लिखने में किसी भी प्रकार की त्रुटि या गलती होने की जानकारी सामने नहीं आई है। संबंधित व्यक्ति की शैक्षणिक अंकसूची और बैंक पासबुक में भी ‘राष्ट्रपति’ नाम ही दर्ज है। इस तरह देश के सर्वोच्च साविधानिक पद से जुड़ा शब्द एक व्यक्ति की निजी पहचान बन गया है। अब गृह मंत्रालय और अन्य संबंधित केंद्रीय विभागों की ओर से की जाने वाली प्रतिक्रिया और निर्णय महत्वपूर्ण होंगे।

केंद्रीय विभागों पर टिकी निगाहें

राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से याचिका को संबंधित विभागों तक पहुंचाए जाने के बाद अब सबकी नज़रें इस बात पर टिकी हैं कि केंद्र सरकार और संबंधित मंत्रालय इस पर क्या रुख अपनाते हैं। क्या आने वाले समय में संवैधानिक पदों के नाम के व्यक्तिगत इस्तेमाल को नियंत्रित करने के लिए कोई नया नियम बनेगा, यह तो वक्त ही बताएगा। फिलहाल, यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।



पोस्टर निर्माण के माध्यम से छात्राओं ने दिया जागरूकता का संदेश

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय आर.व्ही.पी.एस. महाविद्यालय में प्राचार्य अमित निगम के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत छात्राओं द्वारा पोस्टर निर्माण गतिविधि में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। इस दौरान छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक पोस्टर बनाकर अपनी रचनात्मकता और जागरूकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता, राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे विषयों को पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया। रंगों और चित्रों के जरिए छात्राओं ने समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया। गतिविधि से छात्राओं को अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर मिला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। छात्राओं की सहभागिता ने गतिविधि को रोचक और प्रेरणादायक बनाया।इसी क्रम में करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के विभिन्न अवसरों एवं करियर निर्माण के संबंध में जानकारी दी गई। डॉ. पी.डी. रावत ने छात्र-छात्राओं को रोजगार की संभावनाओं से जुड़ने तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं, प्रो. एस.के. वर्मा ने भी विद्यार्थियों को करियर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

सुथली बम हमले से घायल छात्रा घर लौटी जबलपुर में इलाज के बाद हालत स्थिर

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

चंदिया थाना के कोयलारी गांव में 14 अक्टूबर की दरमियानी रात हुए सुथली बम हमले में गंभीर रूप से घायल नर्सिंग छात्रा जबलपुर में इलाज कराने के बाद अपने घर लौट आई है।फिलहाल छात्रा की हालत स्थिर बताई जा रही है, हालांकि हमले में उसका पैर गंभीर रूप से जखमी हुआ था,आधी रात के दूसरे पहर हुए इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे गांव को दहला दिया था। दरअसल 14 अक्टूबर की दरमियानी रात करीब ढाई से तीन बजे किसी असामाजिक तत्व ने कोयलारी स्थित एक मकान में सुथली बम फेंककर हमला किया था।धमाका इतना जबरदस्त था कि आवाज सुनकर ग्रामीणों ने शुरुआती तौर पर गोली चलने की आशंका जताई थी।बद में पुलिस की जांच और मौके पर मिले तथ्यों के आधार पर सुथली बम से हमला किए जाने की बात सामने आई थी।घटना में घायल नर्सिंग छात्रा को पुलिस की मदद से पहले

जिला अस्पताल पहुंचाया गया,लेकिन क्रिटिकल हालत होने के मद्देनजर उन्हें जबलपुर रेफर कर दिया गया था।उपचार के बाद अब छात्रा स्थिर बताई जा रही है,जिस वजह से फिलहाल घर लौट आई है।इस मामले में एसडीओपी पीएल सिंह परस्ते ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए शहडोल से बम डिस्पोजल स्कॉड को घटनास्थल पर बुलाया गया था।मामले पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है,आरोपी जल्द ही हिरासत में होगा।आधी रात घर में बम फेंककर छात्रा को घायल करने की इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और हमलावर की मंशा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।पुलिस इस मामले में प्रेम प्रसंग समेत दूसरे कई एंगेल पर जांच कर रही है, हालांकि पुलिस जांच में यह सामने आना महत्वपूर्ण होगा कि हमले के पीछे अज्ञान था,और वारदात को अंजाम देने के पीछे क्या वजह थी।

कबड्डी-कबड्डी की हु..तू..तु एवं रेफरी की सीटी से गूंजा आदर्श कालेज रणविजय कालेज ने पुरूष और नौराजाबाद ने जीती महिला ट्राफ़ी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग खेल कैलेंडर 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय महिला एवं पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में जिले के आठ शासकीय महाविद्यालयों के लिए आयोजित किया गया। इसमें तीन पुरुष टीम आदर्श, रण विजय, चंदिया कॉलेज एवं चार महिला टीमों में आदर्श, रण विजय, नौरोजाबाद, चंदिया कॉलेज की ने अपनी सहभागिता दी। आदर्श कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ

नियाज अहमद अंसारी ने की। प्रतियोगिता पर्यवेक्षक ऋषि राज पुरवार शासकीय अग्रणी महाविद्यालय उमरिया, जितेंद्र कुमार क्रीड़ा अधिकारी अग्रणी महाविद्यालय उमरिया, आयोजक महाविद्यालय से क्रीड़ा प्रभारी रेम सिंह हटीला, संगठन सचिव महेंद्र कुमार कर्नौजिया क्रीड़ा अधिकारी, डॉ अरुणेंद्र बहादुर सिंह प्रशासनिक अधिकारी की उपस्थिति में उद्घाटन सत्र में दीप प्रचलन, बंदे मातरम गीत के साथ अतिथियों का वैच लगाकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता का पहला मैच रणविजय महाविद्यालय एवं चंदिया महाविद्यालय की महिला



टीम के बीच हुआ। इसी प्रकार अन्य मैच आदर्श महाविद्यालय, नरोजाबाद महाविद्यालय एवं रणविजय महाविद्यालय, चंदिया कॉलेज की महिला पुरुष टीमों के बीच हुए।जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में

रणविजय महाविद्यालय विजेता एवं आदर्श महाविद्यालय, उपविजेता। इसी प्रकार महिला वर्ग में नरोजाबाद महाविद्यालय विजेता, रणविजय महाविद्यालय उपविजेता रही। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान ही चयन

समिति एवं निर्णायकों द्वारा संभाग स्तर के लिए उमरिया जिले की टीम का गठन भी किया। चयन समिति में क्रीड़ा अधिकारी डॉ धर्म शर्मा चंदिया, डॉ सुनील चक्रवर्ती पौरोजाबाद, क्रीड़ा प्रभारी डॉ रश्मि सिंह रणविजय कॉलेज, डॉ मंसूर अली पाली कॉलेज, डॉ संतोष कुमार नरोजाबाद कॉलेज, डॉ मनोया पांडे चंदिया कॉलेज, प्रतियोगिता खेल संचालन रेफरी के रूप में शिवम सोदिया, सोमेश सिंह चूड़ामणि यादव द्वारा किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का कार्यक्रम के अंत में विजेता उपविजेता टीमों को शील्ड कप पुरस्कार दिए गए।

कलेक्टर ने गोहपारू तहसील में स्वामित्व रजिस्ट्री कार्य की प्रगति की समीक्षा की

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने गोहपारू तहसील में स्वामित्व रजिस्ट्री कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने चंदेला पटवारी से अपने समक्ष स्वामित्व रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कराई तथा संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए रजिस्ट्री की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पटवारियों को निर्देशित किया कि कार्य में आ रही समस्याओं का निराकरण करते हुए रजिस्ट्री कार्य में प्रगति सुनिश्चित



करें। गोहपारू तहसील के अंतर्गत 12 ग्रामों में स्वामित्व रजिस्ट्री का कार्य किया जाना है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ग्रामों में कार्य की नियमित निगरानी की जाए तथा पात्र हितग्राहियों की रजिस्ट्री प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने

स्वामित्व रजिस्ट्री कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने तथा निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, एसडीएम सोहागपुर अमरुता गैंग एवं तहसीलदार दिव्या सिंह उपस्थित रहीं।

डेंगरहा नाले में रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर जप्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ राजस्व विभाग ने रविवार 18 अक्टूबर को कार्रवाई की है। जिला मुख्यालय से लगे कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बड़ेरी के पास डेंगरहा नाले से बिना वैध ट्रांजिट परमिट (टीपी) के रेत निकालने के मामले में टीम ने दो ट्रैक्टर जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान एक अन्य ट्रैक्टर का चालक मौके से भागने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह बड़ेरी के पास स्थित नाले से बिना वैध टीपी के रेत उत्खनन किए जाने की सूचना मिली थी। उस समय एसडीएम फील्ड विजिट पर थे। सूचना मिलने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर



पहुँचने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो वहां ट्रैक्टरों की मदद से रेत निकाली जा रही थी। अधिकारियों को देखकर चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगे। इस दौरान दो

ट्रैक्टर आपस में फंस गए, जिन्हें टीम ने जब्त कर लिया। वहीं, एक अन्य ट्रैक्टर चालक नदी-नाले के रास्ते भाग निकला। दोनों जब्त ट्रैक्टरों को बाहर निकालने के लिए जेसीबी बुलानी पड़ी। टीम ने मौके पर पंचनामा तैयार कर जब्त की कार्रवाई पूरी की। अब ट्रैक्टरों को थाने ले जाकर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल ट्रैक्टर चालकों और उनके मालिकों की पहचान की जा रही है। तहसीलदार दिलीप सोनी ने बताया कि एसडीएम के फील्ड विजिट के दौरान अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की जानकारी मिली थी। इसके बाद अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया और कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर जब्त किए गए।

सेवा संकल्प शिविर में डॉक्टर और ग्रामीणों के बीच विवाद, वीडियो वायरल

दिव्यांगों के परीक्षण और प्रमाण पत्र में कथित गड़बड़ी के आरोप, जांच की मांग; कर्मचारियों और पंचायत सचिवों ने संभाला मोर्चा

डिंडोरी (स्वतंत्र मत) शासन की मंशा जरूरतमंदों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का निराकरण करने की है। इसके लिए सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। लेकिन इन शिविरों में यदि हितग्राहियों और अधिकारियों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होती है, तो व्यवस्थाओं और व्यवहार को लेकर सवाल उठना

स्वाभाविक है। ऐसा ही मामला शनिवार को डिंडोरी जिले की जनपद पंचायत शहपुरा में आयोजित दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के परीक्षण और चिन्हांकन शिविर के दौरान सामने आया है। शिविर में डॉक्टर और ग्रामीणों के बीच कहासुनी हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर में



दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों का परीक्षण एवं चिन्हांकन किया जा रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर डॉक्टर और ग्रामीणों के बीच विवाद शुरू हो गया।

आरोप है कि डॉक्टर ने ग्रामीणों से कथित तौर पर यहां से भागने के लिए कहा। इस पर ग्रामीणों ने भी नाराजगी जताते हुए जवाब दिया कि यह जनपद पंचायत उनकी है और डॉक्टर को ही वहां से जाने के लिए कहा। देखते ही देखते बातचीत ने विवाद का रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस होने लगी। स्थिति बिगड़ती देख जनपद पंचायत के कर्मचारियों और ग्राम पंचायतों

के सचिवों ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाईश देकर शांत कराया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। विवाद के बीच दिव्यांगजनों के परीक्षण और दिव्यांगता प्रतिशत निर्धारण को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। सूत्रों के हवाले से आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ ऐसे दिव्यांगजन, जो स्वयं को 50 से 60 प्रतिशत तक प्रभावित बता रहे हैं, उनके प्रमाण पत्रों में कथित तौर पर केवल 30 प्रतिशत दिव्यांगता दर्ज की गई है।

कार्यालय कलेक्टर (जिला शिक्षा केन्द्र) जिला उमरिया म.प्र.	
संशोधित निविदा विज्ञप्ति सूचना	
उमरिया दिनांक 17-10-2026	
राज्य शिक्षा केन्द्र के पत्र क्र/334/2026/राशि के/मूल्यांकन निविदा/ भोपाल दिनांक 22.09.2026 के अनुक्रम में अर्द्धवार्षिक/वार्षिक परीक्षा सत्र 2026-27 एवं 2027-28 के अंतर्गत जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में परीक्षा गोपनीय सामग्री (प्रश्न-पत्र) एवं प्रश्नों का मुद्रण कराया जाना है। उक्त गोपनीय कार्य हेतु खुली निविदा निर्धारित शर्तों के अनुरूप बन्द लिफाफे में कार्यालय कलेक्टर एवं जिला शिक्षा संचालक जिला शिक्षा केन्द्र उमरिया के पते पर दिनांक 14.10.2026 तक आमंत्रित की गयी थी। जिसकी तिथि में आंशिक संशोधन करते हुये दिनांक 22.10.2026 समय दोपहर 2 बजे तक के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। दिनांक 22.10.2026 को समय सायं 3 बजे निविदा खोली जायेगी। सामग्री का स्वरूप/विवरण/ विस्तृत निर्देश/शर्तें/निविदा प्राप्य रुपये 500/- कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र उमरिया (अकादमिक शाखा) में जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। उपरोक्त दस्तावेज जिले की वेबसाइट www.umaria.nic.in पर भी उपलब्ध है जिसे डाउनलोड किया जाकर वांछित राशि का डीडी पृथक से लाया जा सकता है।	
मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला परियोजना संचालक समग्र शिक्षा अभियान जिला उमरिया म.प्र.	

दशहरा उत्सव समिति बुढ़ार ने 501 कन्याओं का पूजन-अर्चन कर कराया कन्या भोज



बुढ़ार (स्वतंत्रमत)

नगर दशहरा उत्सव समिति बुढ़ार द्वारा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कन्याभोज का आयोजन किया गया और नगर के शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत 501 कन्याओं का पूजन कर कन्या भोज कराया गया जिसमें दशहरा समिति के पदाधिकारियों, नगर परिषद पार्श्वदों, समाजसेवियों तथा उत्साहियों ने बह-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई। जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के आतिथ्य में तथा नगर परिषद

अध्यक्ष शालिनी सरावगी के गौरवमयी उपस्थिति में शुक्रवार को दशहरा उत्सव समिति बुढ़ार द्वारा कन्याभोज का वृहद आयोजन किया गया। शारदेय नवरात्रि के छठवें दिवस नगर के शैक्षणिक संस्थान सरस्वती शिशु मंदिर, ज्ञान निकेतन विद्यालय, बाल विकास विद्यालय तथा सरस्वती ज्ञान मंदिर बुढ़ार में अध्ययनरत कन्याओं को एक साथ बिठाये जाकर तथा उनका पूजन-अर्चन कर कन्याभोज कराया तथा दक्षिणा स्वरूप उपहार भेंट किये। दशहरा उत्सव समिति सत्र 2024 से कन्याभोज की

परंपरा नगर में प्रारंभ की गई जो प्रतिवर्ष भव्यता की ओर अग्रसर है और वर्तमान नवरात्रि पर्व पर भी यह भव्यता देखी गई की नगर के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को सामूहिक रूप से कन्याभोज कराया गया। विधानसभा क्षेत्र जैतपुर के विधायक जयसिंह मरावी ने कन्याओं का पूजन कर अपने प्रेरक उद्बोधन में कहाकि- नवरात्रि पर मां जगत जननी की पूरे श्रद्धा एवं आस्थापूर्वक पूजन-अर्चन कर व दर्शन कर हम सभी श्रद्धालु पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं, वहीं कन्याभोज में पधारी

कन्याओं का भी आज भरपूर शुभाशीष मिला है। कन्याभोज के आयोजन में दशहरा उत्सव समिति संरक्षक एवं नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी, दशहरा समिति के अध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह (जित्तू), दशहरा उत्सव महिला अध्यक्ष चेतना दीक्षित, समाजसेवी राजकुमार सरावगी, दीलत मनवानी, भानू दीक्षित, सुजीत सिंह चंदेल, पूर्व पार्षद एवं पूर्व दशहरा समिति अध्यक्ष विक्रम बारी, सोनू आहूजा, रावण निर्माण समिति अध्यक्ष अमित सिंघानिया, श्रीकृष्ण गुप्ता, अरविन्द नायक, पार्षद सुधा बारी, सुमित्रा नामदेव, जूली जैन, गीता प्रजापति, सरस्वती उ.मा. विद्यालय के व्यवस्थापक रविकुमार रजक, प्राचार्य रामसजीवन पटेल, कोषाध्यक्ष प्रतीत गुप्ता, प्रधानाचार्य श्रीकांत चतुर्वेदी, अनामिका सिंह, मंजू लाल, राज पाठक, संतोष प्रजापति, विनोद पाठक, नगर परिषद के राधिका तिवारी, अभय शुक्ला, जीवन लाल की कार्यक्रम में भरपूर सहभागिता रही।

सिंहपुर मां काली मंदिर में जवारों का विसर्जन आज

मां काली मंदिर लोकन्यास ने पूरी की तैयारियां, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं पूर्ण



शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले के सिंहपुर स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर में नवमी के पावन अवसर पर जवारों का विसर्जन विधि-विधान के साथ किया जाएगा। आयोजन को लेकर मां काली लोकन्यास द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विसर्जन से संबंधित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। नवरात्रि पर्व के दौरान मां काली मंदिर में भक्तों की विशेष आस्था और श्रद्धा देखने को मिलती है। नवमी के अवसर पर जवारों के विसर्जन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए लोकन्यास द्वारा आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की तैयारी की गई है। मां काली के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु नवमी पर जवारों के विसर्जन में शामिल होकर माता रानी से सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे।

रूँ से दाएँ

- कराह-2
- अग्नि, अनल-2
- आश्रय, शरण-2
- चील, झील-2
- लीन, मगन-2
- पय, मार्ग-2
- कूड़ा-कर्कट-3
- इंकार-2
- लेखनी, पेन-3
- रुहरा, दया-3
- जो कभी वृद्ध नो हो-3
- कर्म, भाग्य-3
- उपण-3
- भद्र, कुलीन-3
- अवैध, नाजायज-3
- युद्ध, रण-3
- आश्रय-3
- जलजला-3
- टंडा-3
- नमस्कार, प्रणाम-3
- कद्र, मान-3
- इस पर रोटी सेंकते हैं-2

प्रदर्शन श्रेणीकरण सूचकांक में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल करने का लक्ष्य

डाटा की शुद्धता, सत्यापन और त्रुटि सुधार पर जोर, नरसिंहपुर लगातार दूसरे वर्ष प्रदेश में पांचवें स्थान पर

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।

जिले की शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता में सुधार और एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस के डाटा की शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डाइट नरसिंहपुर में जिला स्तरीय प्रशिक्षण-सह-अभियुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई।

क्लेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र नागेश के मार्गदर्शन में जिला परियोजना समन्वयक श्री प्रदीप द्विवेदी द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में डाटा सत्यापन, त्रुटि सुधार तथा जिलों के लिए प्रदर्शन



श्रेणीकरण सूचकांक के विभिन्न संकेतकों में सुधार पर चर्चा की गई।

इसमें जिले के सभी विकासखंडों के विकासखंड संसाधन केंद्र समन्वयक, विकासखंड अकादमिक समन्वयक, जनशिक्षक एवं प्रबंधन सूचना प्रणाली समन्वयक शामिल हुए। कार्यशाला में सहायक परियोजना समन्वयक श्री समीर

त्यागी एवं श्री मनीष चौकसे की उपस्थिति में विद्यालय, शिक्षक और विद्यार्थियों से संबंधित डाटा की सही, पूर्ण एवं अद्यतन प्रविष्टि के महत्व, जिला प्रोग्रामर श्री शरद यादव ने प्रोजेक्टर के माध्यम से पोर्टल की उपयोगिता तथा शिक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका, प्रबंधन सूचना प्रणाली समन्वयक श्री राजेंद्र चौरसिया व श्री दीपक

श्रीवास्तव ने प्रदर्शन श्रेणीकरण सूचकांक के विभिन्न संकेतकों, डाटा प्रविष्टि में होने वाली त्रुटियों व उनके प्रभावों, श्री वेद प्रकाश राजपूत व श्रीमती सुरिंदर पारोची ने विद्यालय, शिक्षक एवं विद्यार्थी संबंधी विवरणों की प्रविष्टि, सत्यापन तथा आवश्यक सावधानियों और श्रीमती सोनम कोष्टी व श्री दुर्गेश विश्वकर्मा ने तकनीकी के संबंध में विस्तार से

बताया। कार्यशाला में बताया गया कि सत्र 2025-26 में नरसिंहपुर जिले का प्रदर्शन श्रेणीकरण सूचकांक स्कोर लगभग 307/600 रहा। इस उपलब्धि के साथ जिला लगातार दूसरे वर्ष प्रदेश में पांचवें स्थान पर रहा। आगामी सत्र में जिले की रैंकिंग में सुधार के लिए डाटा की शुद्धता, पूर्णता एवं प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के साथ विभिन्न प्रदर्शन संकेतकों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई गई।

जिला शिक्षा केंद्र द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले से विद्यालय स्तर पर डाटा की नियमित समीक्षा, सत्यापन तथा त्रुटियों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के लि कहा गया। कार्यशाला में सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से जिले को प्रदर्शन श्रेणीकरण सूचकांक की रैंकिंग में प्रदेश में प्रथम स्थान पर पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

रेत खनन नियमों के उल्लंघन पर बकायादारों के विरुद्ध आरआरसी जारी

15 दिवस में बकाया शास्ति राशि जमा करने के निर्देश, अन्यथा होगी नियमानुसार कठोर कार्रवाई

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश रेत नियम 2018 के नियम 23 के उल्लंघन किए जाने पर गोटेगांव तहसील के ग्राम मालीवाड़ा के ऋषिराज पटेल आ. परामानंद पटेल के विरुद्ध अलग-अलग प्रकरणों में 48 लाख रुपये, 2 करोड़ 40 लाख रुपये, 60 लाख रुपये व 12 लाख रुपये, करेली तहसील के साकेत नगर निवासी संजय दुबे आ. गौरीशंकर दुबे के विरुद्ध 12 लाख रुपये, होशंगाबाद के मेसरस एस.आर. व मेसरस सैनिक फूड प्रा.लि. कम्पनी के विरुद्ध एक करोड़ 34 लाख 51 हजार 580 रुपये, गोटेगांव के सतीश पटेल आ. कमल सिंह पटेल और गोटेगांव तहसील के ग्राम झांसीघाट पोस्ट खमरिया निवासी देवीदास वैष्णव आ. स्व. वृजेन्द्र दास के विरुद्ध 28 लाख 12 हजार 500 रुपये अधिरोपित शरित राशि की वसूली के लिए आर.आर.सी. जारी किए गए हैं। प्रभारी अधिकारी खनिज नरसिंहपुर ने संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया गया है कि वे अपने अधिरोपित बकाया राशि की अदायगी 15 दिवस के भीतर सुनिश्चित करें।

मध्यप्रदेश रेत नियम 2018 के नियम 23 के उल्लंघन किए जाने पर गोटेगांव तहसील के ग्राम मालीवाड़ा के ऋषिराज पटेल आ. परामानंद पटेल के विरुद्ध अलग-अलग प्रकरणों में 48 लाख रुपये, 2 करोड़ 40 लाख रुपये, 60 लाख रुपये व 12 लाख रुपये, करेली तहसील के साकेत नगर निवासी संजय दुबे आ. गौरीशंकर दुबे के विरुद्ध 12 लाख रुपये, होशंगाबाद के मेसरस एस.आर. व मेसरस सैनिक फूड प्रा.लि. कम्पनी के विरुद्ध एक करोड़ 34 लाख 51 हजार 580 रुपये, गोटेगांव के सतीश पटेल आ. कमल सिंह पटेल और गोटेगांव तहसील के ग्राम झांसीघाट पोस्ट खमरिया निवासी देवीदास वैष्णव आ. स्व. वृजेन्द्र दास के विरुद्ध 28 लाख 12 हजार 500 रुपये अधिरोपित शरित राशि की वसूली के लिए आर.आर.सी. जारी किए गए हैं। प्रभारी अधिकारी खनिज नरसिंहपुर ने संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया गया है कि वे अपने अधिरोपित बकाया राशि की अदायगी 15 दिवस के भीतर सुनिश्चित करें।

छात्रों की मांग पर पीजी कॉलेज में इंडोर स्टेडियम निर्माण की पहल

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) नरसिंहपुर में इंडोर स्टेडियम निर्माण की मांग को लेकर विद्यार्थियों की पहल के बाद कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने इस दिशा में प्रयास शुरू किए महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने 5 सितंबर को मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल को मांग पत्र सौंपकर कॉलेज परिसर में इंडोर स्टेडियम निर्माण की मांग की थी। विद्यार्थियों को इस मांग का उद्देश्य महाविद्यालय में खेल सुविधाओं का विस्तार करना और युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा निखारने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों का कहना था कि महाविद्यालय में इंडोर स्टेडियम बनने से उन्हें विभिन्न खेलों के अभ्यास के लिए उपयुक्त स्थान मिल सकेगा। वर्तमान समय में खेलों के प्रति युवाओं का रुझान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों में खेल सुविधाओं का विकास विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है।इंडोर स्टेडियम बनने से विद्यार्थियों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी खेल गतिविधियां संचालित करने की सुविधा मिल सकती है। साथ ही बैडमिंटन, टेबल टेनिस सहित अन्य इंडोर खेलों के अभ्यास के लिए बेहतर वातावरण तैयार होगा। इससे स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलने की उम्मीद है विद्यार्थियों द्वारा 5 सितंबर को सौंपे गए मांग पत्र के बाद मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की ओर संबंधित विभाग की पत्र जारी किया है इसके साथ ही इस दिशा में जल्द कार्यवाही सुनिश्चित करने की बात भी उनके द्वारा कही गई उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल लगातार खेलों के खिलाड़ियों को खेल के प्रति उत्साहित करने एवं खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं जिसके सुखद परिणाम भी सबके सामने हैं उनकी यह पहल किए जाने को कॉलेज के खेल विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विधायक निवास में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने की जनसुनवाई

प्राप्त 263 आवेदनों पर लोगो की बात सुन उनकी समस्याओं का किया समाधान

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।

मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्यमंत्री एवं नरसिंहपुर जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास नरसिंहपुर में जनसुनवाई आयोजित की इस अवसर पर आए जन सामान्य लोगो ने अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से बताया जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए जानकारी लेकर समस्याओं का निदान कराया जनसुनवाई में लगभग 263 आवेदनों की प्राप्ति हुई जिनपर संज्ञान लेते हुए उन्हें कार्यवाही हेतु आगे प्रेषित किया गया आम्भजन के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले जनप्रिय समाजसेवी जालम सिंह पटेल द्वारा स्थानीय जनो की जनसमस्या हेतु



प्रत्येक गुरुवार जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है जिसमें जिले भर से आए लोगों की बात सुन कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाता है जनसुनवाई पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने बताया कि आमजनों के कई ऐसी समस्याएं होती हैं जिनके लिए वह परेशान होते हैं इसके लिए हम हमेशा तत्पर रहते हैं लेकिन बहुत लोग ऐसे होते हैं जो संपर्क नहीं कर पाते उनके लिए इस जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण हो सके और मेरा ऐसा मानना है कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि का यह कर्तव्य है कि

उसके क्षेत्र के आमजनों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए भटकना ना पड़े उनकी समस्याओं पर तत्परता के साथ कार्य करना चाहिए जिस जनता ने उस पर विश्वास किया है उस विश्वास पर वह खरा उतरे उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि उक्त जनसुनवाई में 263 आवेदनों पर स्थानीय जनो की समस्याओं का निराकरण किया गया जनसुनवाई के अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारीयों के साथ अनेक समाजसेवी जनप्रतिनिधि जनो की मौजूदगी रही।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली एवं नशा मुक्त परिसर कार्यक्रम का आयोजन

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली एवं नशा मुक्त परिसर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा महाविद्यालय परिसर को नशामुक्त एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसकी संयोजक हिंदी विभाग की डॉ. रागिनी चौहान रहीं। रैली



में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता करते हुए नशामुक्त का संदेश दिया तथा समाज को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया।इसी क्रम में नशा मुक्त

परिसर कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नमिता साहू द्वारा विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने,



महादेवा वाई 30 के प्राचीन काली मंदिर में भजन कन्या भोज और भंडारे की धूम

सतना (स्वतंत्र मत)

महादेवा वाई नंबर 30 में स्थित जीपी दाहिया के घर में बना प्राचीन महाकाली मंदिर' आस्था का बड़ा केंद्र बन गया है। यहाँ पिछले '50 वर्षों से लगातार माँ काली की पूजा की जा रही है।

दर्शन करने पहुंचे। मान्यता है कि यहाँ सच्चे मन से मांगी गई 'सभी मुरादे पूरी होती हैं'। मंदिर में 'माँ काली और माँ दुर्गा की प्रतिमाएं' फूल-मालाओं और दीपों से सजाई गईं। भक्तों द्वारा 'झंडे चढ़ाए गए और भंडारा प्रसाद' वितरित किया गया।

रात में 'देवी जागरण' का आयोजन हुआ जिसमें स्थानीय 'भजन मंडली' ने ढोलक,ताशे के साथ देवी भजन प्रस्तुत किए। भक्त देर रात तक भजन,कोर्तन में लीन रहे। मंदिर के पुजारी और जीपी दाहिया परिवार ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

वही माँ काली पुजारी श्री दाहिया ने आगे काह कि- 'दरबार में माँ काली के दुख दर्द मिटाये जाते हैं। कष्टों के सताये लोग यहां सीने से लगाये जाते हैं जिन भक्तों में माँ की कुछ खास इनायत होती है वही दरबार में बुलाये जाते हैं।

हनुमान मंदिर उमरी में अष्टमी के दिन विशाल भंडारा



सतना (स्वतंत्र मत)। उमरी स्थित पन्ना नाका हनुमान मंदिर में रामनवमी अष्टमी पावन अवसर पर विशाल भंडारा हजारों भक्तों की भीड़ श्री राम जयकारों से गुंजा मंदिर समिति युवा मंडल संयुक्त प्रयास करीब 4000 से अधिक श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया सुबह 11 बजे हनुमान मंदिर विधिवत पूजा अर्चना आरती संपन्न 12 बजे से भंडारे की शुरुआत पूरी सब्जी हलवा चावल बूंदी प्रसाद सेवादारों ने अनुशासन

से पंक्तिबद्ध भोजन परोसा महिलाएं बच्चे बुजुर्ग सभी एक बैठक फूलों गुब्बारों झालरों से सजावट भक्ति संगीत रामधुन बजती रही। अध्यक्ष राजेश सिंह पटेल बोले पिछले 50 वर्षों से निरंतर अष्टमी पर बड़े स्तर पर भंडारा 50 से अधिक सेवादार दिनभर सेवा में जुटे रहे तैयारी 3 दिन पहले से पीने के पानी छाया बैठने की समुचित व्यवस्था सुंदरकांड रामचरितमानस पाठ चलता रहा संवादरों ने सभी भक्तों को प्रेमपूर्वक भोजन परोसा प्रशासन द्वारा शांति पान सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात सफ़ाई यातायात चिकित्सा सुविधा विशेष ध्यानभक्तों में उत्साह जय श्री राम के नारे प्रसाद ग्रहण आए भक्तों में विशेष उत्साह स्थानीय भक्त रामकिशोर तिवारी बोले हर साल बेसब्री से इंतजार भोजन स्वादिष्ट प्रेम से प्रसाद लेते महिला भक्त मीरा देवी बोली एकता भाईचारे का संदेश बोले कार्यक्रम सफल रहा देर शाम तक श्रद्धालुओं का आना जारी रहा।

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

विगत दिवस स्थानीय सेवा सदन लक्ष्मी टाउनशिप में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन विभाग के कैबिनेट मंत्री क्षेत्रीय विधायक उदय प्रताप सिंह ने जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा विधानसभा क्षेत्र से पधारे गणमान्य नागरिकों से सौजन्य मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर पहुंचे। मंत्री श्री सिंह ने एक-एक कर



सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार जन-जन की सरकार है। जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान

हमारी प्राथमिकता है। कोई भी पात्र व्यक्ति शासन को योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा। कार्यकर्ता ही हमारी ताकत हैं और जनता की सेवा ही हमारा संकल्प है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और गाडवारा

विधानसभा को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।। शिक्षा, परिवहन सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। भाजपा नेता ठाकुर रणजीत सिंह राजपूत, शुभम राजपूत, अभिषेक बड़कुर आदि ने मंत्री जी से मुलाकात आयोजन के संदर्भ में चर्चा की। जनसुनवाई कार्यक्रम में निगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा सहित सभी मंडलो केअध्यक्ष, पाण्डेराण, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तथा आमजन उपस्थित रहे।

आम सुचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा विवाह पूर्व नाम धनबाई मालवीय पिता रामरत्नर मालवीय था, जो मेरे सभी शैक्षणिक अभिलेखों में दर्ज है। दिनांक 24.02.1995 को योगेन्द्र मालवीय पिता कन्हैयालाल मालवीय के साथ विवाह के पश्चात् मेरा नाम उमा मालवीय पति योगेन्द्र मालवीय दर्ज हो गया है। धनबाई मालवीय एवं उमा मालवीय एक ही महिला यानी मेरी ही नाम है। भविष्य मे मुझे मेरे नए नाम उमा मालवीय के नाम से ही जाना व पहचाना जावे। **उमा मालवीय (पति योगेन्द्र मालवीय) निवासी- ग्राम वरमान, तहसील करेली, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)**



मातृशक्तियों ने किया सिंदूर दान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री सिद्ध दुर्गाोत्सव समिति की मातृशक्ति द्वारा विशेष सिंदूर दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ हुई। आरती के दौरान श्रद्धालु महिलाओं ने भक्तिभाव के साथ मां खुशदंबा आराधना की और परिवार की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली कामना की। आरती के पश्चात समिति की मातृ शक्ति द्वारा सुहागन महिलाओं को सिंदूर का वितरण किया गया। इस दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुहागन महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्य सुख-समृद्धि एवं परिवार मंगलकामना की। धार्मिक आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों से जुड़े इस आयोजन में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वच्छता ही सेवा संकल्प अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नर्मदा तट पर स्वच्छता ही सेवा संकल्प अभियान का समापन 17 अक्टूबर को किया गया। समापन समारोह में भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधक उमेश शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विभागों के कर्मचारी-अधिकारियों अधिकर्ता साथी ने नर्मदा तट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। कार्यक्रम का संयोजन पर्यावरणविद् राजेश क्षत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राजेश दीक्षित, त्रिलोक सिंधिया, प्रवीण जैन, एसएस पुशाम, लोचन झरिया, राजेश रजक, फिरोज अहमद खान, अशोक बरमैया, सुदेश सिंह ठाकुर, डॉ ब्रजेश चौरसिया व बीमा निगम के अनेक सदस्य एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

लाउडस्पीकर प्रतिबंध का निर्णय

मण्डला(स्वतंत्र मत)। आगामी नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण अनुशासनबद्ध और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पिंडरई क्षेत्र में एक मिसाल पेश की गई है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग के सकारात्मक प्रयासों के चलते पिंडरई के समस्त पंडालों और सब्जी मंडी स्थित महाकाली समिति ने इस वर्ष 9 दिनों के उत्सव के दौरान लाउडस्पीकर पूर्ण प्रतिबंध का निर्णय लिया है। प्रशासनिक संवाद और जनसहयोग का अनूठा समन्वय क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से थाना प्रभारी ओपी रावत अंशुल गुप्ता और एसआई राजकुमार हिरकने ने पिंडरई के नागरिकों पंडाल संचालकों और समितियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। पर्व के दौरान ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने विद्यार्थियों और बुजुर्गों को असुविधा से बचाने के लिए लाउडस्पीकर बंद रखने का प्रस्ताव रखा था।

47 वर्षों से कर रहे स्थापना

मण्डला(स्वतंत्र मत)। श्री गुरुद्वारा साहिब अंबेडकर वार्ड में सिंधु नवयुवक मंडल के तत्वावधान में माता रानी के दरबार में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिकजनों एवं धर्मप्रेमियों ने शक्ति और भक्तिभाव के साथ सहभागिता कर मां की आराधना की। महाआरती के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सरोबोर रहा। श्रद्धालुओं ने माता रानी से परिवारों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

समिति के सदस्यों ने बताया कि दरबार में विगत 47 वर्षों से माता रानी की प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा चली आ रही है। हर साल नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया जाता है।

आठ साल से ग्रामीणों को लटका रहे : मिलीभगत से किया खेल आंगनबाड़ी भवन ही नहीं स्कूल के शौचालय की राशि भी कर दी गायब!

मण्डला(स्वतंत्र मत) ।

जनपद पंचायत ब्रिडिया की ग्राम पंचायत नेवसा भपसा के पोषक ग्राम भपसा और नेवसा में अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को लेकर जांच की मांग उठाई गई है। इस संबंध में कलेक्टर को शिकायत पत्र देकर आंगनवाड़ी भवन और प्राथमिक शाला के शौचालय निर्माण की जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने मांग की गई है। शिकायत में उल्लेख है कि ग्राम भपसा में वीआरजीएफ योजना के अंतर्गत वर्ष 2018 में आंगनवाड़ी भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था। इसके लिए 7 लाख 80 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। आरोप है कि निर्माण कार्य केवल लेंटर स्तर तक ही पहुंच पाया और इसके बाद काम बंद हो गया। लंबे समय से अधूरा पड़ा भवन अब जर्जर हालत में है। इसके चलते गांव में आंगनवाड़ी का संचालन दिलीप मरकाम के मकान में किया जा रहा है। इसी तरह ग्राम नेवसा



स्थित प्राथमिक शाला में वर्ष 2018 में शौचालय निर्माण कार्य शुरू कराया गया था। शिकायत में निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा गया है कि शौचालय की छत के लेंटर की मोटाई लगभग दो इंच है। साथ ही छत की छपाई नहीं की गई और शौचालय में सीट भी नहीं लगाई गई है। इस निर्माण कार्य की अनुमानित लागत लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है।

शिकायतकर्ता ने इन दोनों निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और निर्माण पर खर्च की गई राशि का भौतिक सत्यापन कराने मांग की है। शिकायत अनुसार मेसर्स हीरा स्टोन क्रेशर को 15 जून 2018 को 40,320 रुपये का भुगतान किया गया। तनु ट्रेडर्स को 15 जून 2018 को 44,240 रुपये तथा 16 जून 2018 को 39,749.76 रुपये और 35,317.56 रुपये का भुगतान किए जाने का उल्लेख है। इसके



अलावा 17 जून 2018 को 38,769.62 रुपये का भुगतान दर्ज होने की बात कही गई है। शिकायत में आगे बताया गया है कि सुशील कुमार साहू को 22 मई 2019 को 20 हजार रुपये तथा सुमन ट्रेडर्स को 14 मई 2019 को 17 हजार रुपये का भुगतान किया गया था। शिकायतकर्ता ने इन भुगतानों निर्माण की वास्तविक प्रगति और उपयोग की गई सामग्री की जांच कराए जाने मांग की है

ताकि यह स्पष्ट हो सके कि स्वीकृत राशि का उपयोग निर्धारित कार्यों में किस प्रकार किया गया। शिकायत पत्र में निर्माण कार्यों के दौरान तत्कालीन सरपंच अनीता धुर्वे, पंचायत सचिव झनकू चौचाम और रोजगार सहायक मनीष सोनवानी के पदस्थ रहने का उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता ने संबंधित जिम्मेदारों की भूमिका की जांच कराने मांग की है। पत्र में इन पर

वन अधिकार कानून पर कार्यशाला



मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत) ।

वनग्राम मंगली विकासखंड मवई तहसील ब्रिडिया में वन अधिकार कानून 2006 को लेकर मूलवासी सेवा समिति के तत्वाधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में 25 गांव के दर्जनों महिला-पुरुष शामिल थे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आदिवासी एवं अन्य परंपरागत समुदायों को वनाधिकार मान्यता

कानून 2006 के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की जानकारी देना था। कार्यशाला में वनाधिकार कानून के महत्व एवं सामुदायिक वनाधिकार तथा सामुदायिक वन संसाधनों के अधिकार संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। मास्टर ट्रेनर मोहित महाजन ने बताया कि वन अधिकार कानून 2006 की धारा 3(1) (झ) में प्रावधान है

कि पारम्परिक गांव की सीमा से लगे वनों का प्रबंधन एवं संरक्षण ग्राम सभा द्वारा किया जाएगा। इसके लिए ग्राम सभा द्वारा वन अधिकार कानून में दिया गया फार्मेट (ग) को भरकर उपखंड स्तरीय समिति एसडीएम को जमा करना है। इसके लिए ग्राम सभा को वन अधिकार समिति के गठन करना आवश्यक है। अंत में वनग्राम मालुमझोला के पारंपरिक शैला नूतक दल के द्वारा नृत्य करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

कार्यक्रम में सुखमन धुर्वे जनपद सदस्य, करनसिंह मरावी सरपंच, पंचायत बादरबाड़ी, सोहन मरावी सरपंच ,पंचायत हरंटीोला, रतू परते सरपंच, जंगलीखेड़ा जिला बालाघाट, सुंदरलाल मार्कों, सम्पत सिंह धुर्वे, रूक्मणी सुरेशवर, चन्द्रवती धुर्वे, चरन सिंह परते, धरमपाल कुसराम, दीपक धुर्वे, कैलाश मार्कों और जनक मरावी आदि की उपस्थिति रही।



महाआरती के साथ प्रतिभा सम्मान समारोह

मण्डला(स्वतंत्र मत) । शारदेय नवरात्रि के पावन अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बजरंग चौक स्थित राजीव कॉलोनी में नवशक्ति दुर्गाोत्सव समिति द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विगत 38 वर्षों से राजीव कॉलोनी बजरंग चौक में माता रानी की स्थापना की जा रही है। यहां मां दुर्गा की विधि विधान से पूजन अर्चन कर महाआरती की जा रही है। महाआरती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में पत्रकार परिषद के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल शामिल हुए साथ ही उन्होंने मां की आराधना कर सुख-समृद्धि कामना की। महाआरती शुरू होते ही पूरा परिसर मां के जयकारों से गूंज उठा बड़ी संख्या में महिला पुरुष और बच्चे श्रद्धा के साथ महाआरती में शामिल हुए। वहाँ 19 अक्टूबर को महाप्रसादी वितरण होगी। समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने अपील की है। मुख्य सदस्य प्रियदर्शन पटेल ने बताया कि 20 अक्टूबर दशहरा के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन चल समारोह निकाला जाएगा। यहां पर वागीश पटेल जितेन्द्र कुशवाहा, राजेश चौकसे, शशिकांत सिंह, पवन यादव, आशीष मोंगरे, प्रखर श्रीवास, राज पटेल, पार्थ तिवारी, पीयूष जोगी सहित स्थानीय धर्मप्रेमी लगातार सेवा दें रहे हैं।

एसआईबी शाखा में पदस्थ आरक्षक की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में

कार्रवाई में भेदभाव के आरोप, अखिर किसके संरक्षण में चल रही रेलवे परिसर में व्यावसायिक गतिविधियां, ट्रांसपोर्ट वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नैनपुर रेलवे स्टेशन एवं रेलवे परिसर में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) में पदस्थ आरक्षक विनय कुमार की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। रेलवे क्षेत्र में होने वाली विभिन्न गतिविधियों पर निगरानी और

कार्रवाई को लेकर कथित दोहरे मापदंड अपनाए जाने की चर्चा है। **छोटे लोगों पर कार्रवाई, बड़े व्यावसायिक वाहनों पर मेहरबानी क्यों?**-रेलवे स्टेशन परिसर में नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़े करने वालों, रेलवे लाइन पार करने वाले नागरिकों तथा कैंटीन वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की जाती आ रही है।

वहीं दूसरी ओर रेलवे क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट वाहनों द्वारा माल की लोडिंग-अनलोडिंग किए जाने का मामला सवालों के घेरे में है। सवाल यह उठता है कि क्या रेलवे परिसर में ट्रांसपोर्ट वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए संबंधित अधिकारियों से विधिवत अनुमति प्राप्त है? या साप्ताहिक रूपयों का लेन-देन किया जा रहा



है। यदी ऐसा नहीं है तो जिम्मेदार आरक्षक विनय कुमार द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही?

चायपान दुकान मे चर्चाओं का बाजार गुमना- पांच से छह वर्ष से नैनपुर में जमे आरक्षक विनय कुमार अपनी कार्य शैली के लिए चर्चाओं में हैं कभी चाय ठेला

खोमचे वालों पर कार्रवाई , कभी रेलवे लाइन पार करने बालो पर तो कभी स्थाई वेंडरों पर कार्रवाई किया जाना चर्चाओं में है परंतु रेलवे क्षेत्र में छोटी छोटी घटनाओं व जिनसे लाभ नहीं मिलता, क्या उन्हीं पर होती है कार्रवाई? आरक्षक विनय कुमार की

कार्यप्रणाली को लेकर यह सवाल भी उठ रहा है कि कहीं कार्रवाई में व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता तो नहीं दी जा रही है? कुछ लोगों पर कार्रवाई और अन्य गतिविधियों की कथित अनदेखी को लेकर निष्पक्ष जांच की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

हालांकि, व्यक्तिगत लाभ लेने या कार्रवाई में भेदभाव करने संबंधी आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। एसआईबी आरक्षक की भूमिका पर उठे सवाल रेलवे सुरक्षा व्यवस्था में विशेष खुफिया शाखा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि रेलवे परिसर में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई जा रही है या नहीं?

यदि रेलवे क्षेत्र में बिना अनुमति ट्रांसपोर्ट वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग हो रही है, तो इसकी जानकारी संबंधित शाखा को क्यों नहीं है? और यदि जानकारी है, तो अब तक क्या कार्रवाई की गई?

नैनपुर रेलवे परिसर में ट्रांसपोर्ट वाहनों की आवाजाही, लोडिंग-अनलोडिंग की अनुमति, संबंधित ठेकेदारों तथा आरपीएफ द्वारा की गई कार्रवाई का रिकॉर्ड जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए। साथ ही एसआईबी आरक्षक विनय कुमार की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों की वरिष्ठ अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

पेट्रोल पंपों की जांच करने मांग

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत) ।

नगर बम्हनी-बंजर में लगातार वाहनों में परेशानी आने की शिकायतों के बीच नगर में संचालित तीनों पेट्रोल पंपों को लेकर जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी मंडला से शिकायत की गई है। शिकायत के बाद अब पेट्रोल पंपों की जांच और कार्यवाही को लेकर लोगों की नजरें संबंधित विभाग पर टिकी हैं शिकायत के आधार पर अब यह देखना होगा कि जिला मुख्यालय से कौन अधिकारी बम्हनी-बंजर पहुंचकर तीनों पेट्रोल पंपों के पेट्रोल-डीजल के सैंपल लेता है और उनकी गुणवत्ता की जांच करता है। जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित पेट्रोल पंपों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है यह भी महत्वपूर्ण होगा अब सवाल यह है कि क्या संबंधित विभाग तीनों पेट्रोल पंपों की निष्पक्ष जांच कराएगा।

मां दुर्गा की महाआरती में पहुंचीं मंत्री

मण्डला(स्वतंत्र मत) ।

उपनगर महाराजपुर क्षेत्र के कुम्हार मोहल्ला में इस वर्ष का शारदीय नवरात्रि उत्सव भक्तिमय हो गया है। सार्वजनिक दुर्गाोत्सव समिति महिला मंडल द्वारा महाराजपुर के कुम्हार मोहल्ला में पहली बार मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना की गई है। इस पावन अवसर पर आयोजित मां दुर्गा की महाआरती में मध्यप्रदेश शासन की पीएचई विभाग मंत्री संपतिया उईके मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। अतिथि देवो भव की सनातन परंपरा को जीवंत करते हुए जैसे ही मंत्री संपतिया उईके कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं पूरा परिसर तालियों और जयकारों से गूंज उठा। कुम्हार मोहल्ले के नागरिकों और सभी वार्डवासियों ने मंत्री का पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय और अभूतपूर्व स्वागत किया। मंत्री माता रानी के चरणों में शीश नवाया और विधि-विधान से महा आरती एवं आराधना कर क्षेत्र की खुशहाली सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान रीना यादव,



प्रेमलता धनगर, अनीता यादव, विसरती यादव, रानी यादव, शकुन यादव, शुक्को यादव, पांचों यादव, श्रद्धा जांघेल, गायत्री यादव, भावना बंजारा, रजनी चक्रवर्ती, रोशनी चक्रवर्ती, ग्यारसी चक्रवर्ती, ममता

चक्रवर्ती, काली नंदा, विजय यादव, विनोद यादव, रामप्रसाद, राहुल, अक्षय, कृष्णा, समीर, धर्मेन्द्र, दुर्गेश, घनश्याम समस्त मोहल्ला वासियों सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

35वीं वाहिनी में हुआ गरबा
मण्डला(स्वतंत्र मत)। 35वीं वाहिनी विसवल में गरबा कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक सेनानी राजेश रघुवंशी सपरिवार पूजा-अर्चना कर गरबा में सहभागिता की। कार्यक्रम में वाहिनी के अधिकारियों कर्मचारियों एवं उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन भक्तिमय और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उप सेनानी ईंदू सिंह परस्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतीश चतुर्वेदी, एड्जुटेंट बलवीर चावड़, सहायक सेनानी श्रीमती रुचिता चतुर्वेदी सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तलवार लेजियम भाले से किया गरबा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नारी शक्ति साहस और शौर्य की संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए मंडला में वीरगंगा क्षत्राणी गरबा का आयोजन किया गया। वीरगंगा दल समिति के तत्वावधान में आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम में बालिकाओं और महिलाओं ने पारंपरिक गरबा के साथ तलवार लेजियम और भाले के जरिए साहसिक प्रस्तुतियां दीं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी श्रद्धा उइके,प्रिया धुर्वे, वंदना अवस्थी सरिता अग्निहोत्री, उपनिरीक्षक महिला थाना मंडला आकांक्षा उरमलिया एवं सार्वजनिक दुर्गाोत्सव समिति, अनाज तिलहन व्यापारी संघ कृषि उपज मंडी के सदस्य उपस्थित रहे। आयोदय गुरुकुलम जयपुर से आए आचार्य सत्यम और मंडला की वीरगंगा दल संयोजिका प्रीति मौर्य ने प्रतिभागियों को गरबा की बारीकियों के साथ लेजियम और तलवार के साथ प्रस्तुति देने का अभ्यास करया। काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल गाजीपुर के विशेष सहयोग से कृषि उपज मंडी परिसर में गरबा का आयोजन किया गया।



// शपथ पत्र //

मैं श्रीमती विद्या राजेश पहापलकर (Vidya Rajesh Pahapalkar) पति श्री राजेश पहापलकर, उम्र 50 वर्ष, स्थायी निवासी मकान नं. 83, माइक्रोलाइन कम्यूटर के सामने, बिडिया तहसील व जिला-मण्डला म.प्र. अपने आधार कार्ड क्रमांक 669588987306 में मेरा नाम टाईपिंग युटि से Vidha (विधा) अंकित है, जबकि मेरा सही नाम विद्या (Vidya) है। 2. यह कि मेरे उपरोक्त आधार कार्ड क्रमांक 669588987306 में मेरा नाम टाईपिंग युटि से Vidha (विधा) अंकित है, जबकि मेरा सही नाम विद्या (Vidya) है। 3. यह कि मेरे उपरोक्त आधार कार्ड क्रमांक 669588987306 में मेरा उज्जाम भी अंकित नहीं है। 3. यह कि मेरा सही एवं पूर्ण नाम 'Vidya Rajesh Pahapalkar' (विद्या राजेश पहापलकर) है एवं यही नाम मेरे PAN Card No. ATYPP6510N एवं बैंक पास बुक में अंकित है। 4. यह कि आधार कार्ड में अंकित नाम Vidha (विधा) तथा मेरा सही नाम Vidya Rajesh Pahapalkar दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं। 5. यह कि मैं अपने आधार कार्ड क्रमांक 669588987306 में नाम एवं उज्जाम का सुधार 11 करवाकर Vidya Rajesh Pahapalkar (विद्या राजेश पहापलकर) दर्ज करवाना चाहती हूँ।

शपथकर्ता
विद्या राजेश पहापलकर

अभिप्राय

संपादकीय

बेलगाम महंगाई

भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय ने आंकड़े जारी किए हैं कि खुदरा महंगाई ने बीते 23 माह का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सितंबर 2026 में खुदरा महंगाई दर 5.54 फीसदी रही। यह अक्टूबर 2024 के बाद का उच्चतम स्तर है। तब महंगाई दर 6.2 फीसदी थी। भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि आने वाले महीनों में भी महंगाई बढ़ेगी। अक्टूबर-दिसंबर की औसत महंगाई दर 6 फीसदी या उससे अधिक भी हो सकती है, लेकिन उसे 6 फीसदी तक पहुँच गई। गांवों में खुदरा महंगाई दर 5.24 फीसदी से बढ़ कर 6.08 फीसदी हो गई। ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर 8.06 फीसदी और शहरों में 7.18 फीसदी दर्ज की गई है।

ये तमाम आंकड़े रिजर्व बैंक की तय हदों के पार हैं, लिहाजा साफ है कि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। गैर-सरकारी और पेशेवर संगठनों, संस्थानों, एजेंसियों के आंकड़े भिन्न और अपेक्षाकृत अधिक हैं। आम आदमी महंगाई के इन प्रतिशत वाले आंकड़ों का अर्थशास्त्र नहीं जानता। उसके लिए महंगाई वहीं से शुरू होती है, जब आलू, प्याज, टमाटर, लहसुन, नींबू, अवरक और हरी मिर्च सरीखी रोजमर्रा की सब्जियां महंगी मिलने लगती हैं। इस बाजार और भाव पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, क्योंकि सच्ची मंडी के व्यापारी आपस में मिलकर कीमतें तय कर लेते हैं, वहीं से खुदरा बाजार भी महंगा हो जाता है। गली-मुहल्ले के छोटे कारोबारी और रेहड़ीवाले भी उसी अनुपात में दाम बढ़ा देते हैं। तर्क दिया जाता है कि ‘ऊपर’ से ही भाव बढ़ गए हैं। यदि प्याज करीब 108 फीसदी और लहसुन 55 फीसदी महंगा और आलू 50 रुपए प्रति किलो बढ़ रहा है, तो यह किस अर्थशास्त्र के आधार पर तय किया जाता है, कम्पेवेश आम आदमी नहीं जानता। सरकार के अधीन कई संस्थान, प्राधिकरण, संघ आदि ऐसे हैं, जो इन सब्जियों की तुरंत आपूर्ति कर आम उपभोक्ता को राहत दे सकते हैं और मुद्रास्फीति को तय हदों के भीतर रख सकते हैं। वे दाम बढ़ने की स्थितियों में ऐसा कुछ करते भी हैं, लेकिन वह ‘ऊंट के मुंह में जीरे समान’ ही होता है। यह देश बहुत विराट, विशाल और विविध है, लिहाजा ऐसे संकटों को संबंधित करना बड़ा मुश्किल होता है, लेकिन फिर सरकार किसलिए चुनी ली है? इन संस्थानों की कार्य-प्रणाली और सम्यक सक्रियता भी सवालिया रही हैं। नतीजा यह है कि महंगाई हमारे लिए एक शाश्वत, चिरंतन और स्थायी समस्या बन कर रह गई है। बहरहाल महंगाई दर सिर्फ सब्जियों और खाद्य पदार्थों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा खुदरा महंगाई दर के दाम बढ़ने रेस्तर-होटल 9.36 फीसदी, परिवहन 5 फीसदी से ज्यादा, शिक्षा सेवाएं और कपड़े-जूते करीब 4 फीसदी प्रति और घरेलू उपकरण 3.26 फीसदी महंगे हो गए हैं। जाहिर है कि औसत घर और परिवार का बजट बिखर और बिगड़ जाता है। औसत नौकरीपेशा, दिहाड़ी मजदूर, खेतिहर मजदूर, रिश्तेवाला, माल ढोने वाला अर्थात देश का गरीब तबका कहां से अतिरिक्त बजट का जुगाड़ करेगा, ताकि महंगाई से लड़ सके? कोई रास्ता नहीं, कोई समाधान नहीं! सरकार और मंत्रोगण जुमले उछालने में व्यस्त हैं कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जल्द ही बन जाएगा। सरकारी किस्म के प्रवक्ता कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान 12–14 फीसदी मुद्रास्फीति से तुलना करने लगते हैं। यथार्थ तो यह है कि महंगाई बढ़ रही है, जो आम आदमी के लिए असहन्यता है।

कोलकाता दुर्गापूजा हदसा: जिम्मेदार कौन, जवाबदेही किसकी?

सत्येंद्र प्रताप सिंह

दुर्गापूजा बंगाल की आस्था, संस्कृति और सामूहिक उल्लास का प्रतीक है। कोलकाता में भव्य पंडाल देखने के लिए हर साल बड़ी संख्या में लोग उमड़ते हैं। लेकिन जब इसी उत्सव में जान चली जाए, तो सवाल केवल हदसे पर दुख जताने का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की पड़ताल का है, जो लोगों की सुरक्षा के लिए बनाई गई थी। चौरबागान सार्वजनिक दुर्गापूजा पंडाल में हुए हादसे ने भीड़ नियंत्रण, प्रवेश-निकास और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े किए हैं। बारिश के बीच अफरातफरी और कथित भ्रामक घोषणाओं की भूमिका की भी जांच हो रही है। लेकिन क्या बारिश और भीड़ को हादसे का बहाना बनाया जा सकता है? बड़े आयोजन में भीड़ उमड़ना अप्रत्याशित नहीं है। बारिश की आशंका भी सुरक्षा योजना का हिस्सा होनी चाहिए। फिर खतरे का आकलन पहले क्यों नहीं हुआ? क्या लोगों की संख्या के मुकाबले इंतजाम कम थे? क्या आपात स्थिति में भीड़ को सुरक्षित निकालने की योजना थी?
किसी सार्वजनिक आयोजन में लोगों की सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी आयोजकों की होती है। पंडाल की संरचना, रास्तों की चौड़ाई, प्रवेश और निकास, स्वयंसेवकों की तैनाती तथा आपातकालीन योजना-इन सभी की पड़ताल जरूरी है। क्या पंडाल में भीड़ की क्षमता का आकलन किया गया था? क्या प्रवेश और निकास के रास्ते पर्याप्त थे? क्या भीड़ बढ़ते पर प्रवेश रोकने की व्यवस्था थी? यदि सुरक्षा में कमियां थीं, तो उन्हें दूर किए बिना आयोजन कैसे चलता रहा?
हादसे के बाद आयोजन समिति और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं। लेकिन गिरफ्तारी ही दोष साबित नहीं करती। जांच को यह स्पष्ट करना होगा कि किसकी क्या भूमिका थी, किसने कौन-सी जिम्मेदारी निभाई और कहाँ चूक हुई।
सवाल यह भी है कि क्या जिम्मेदारी केवल उन लोगों पर तय होगी, जो मौके पर मौजूद थे, या उन पर भी जो सुरक्षा
प्रो. संजय द्विवेदी
शिक्षा केंद्रों की कलंक कथाएं अनंत हैं। गुरु-शिष्य परंपरा को लजाते प्रकरण मुंह चिढ़ा रहे हैं। ऐसी खबरें अब बहुत विवाचित नहीं करतीं। किंतु बात जब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसे शिक्षा केंद्र की हो तो मामला साधारण नहीं रह जाता। आरोप किसी साधारण शिक्षक पर नहीं, मणिपुर से लोकतन्त्रा के सांघद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर हैं। वे जेएनयू के सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र में छात्राध्यपक थे। जेएनयू प्रशासन ने 11 छात्राओं की शिकायतों की जांच के बाद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को बर्खास्त कर दिया है। वे अभी सांसद बने हुए हैं। प्रो. बिमोल ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकार विरोधी रवैये के कारण शिकार बनाया जा रहा है। इस सफाई के बहुत गायने नहीं हैं। मुद्रा है शिक्षक की गरिमा का, यदि वह जनप्रतिनिधि हैं तो मामला गंभीर हो जाता है। जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय में जागरूक विद्यार्थियों की संख्या



व्यवस्था की योजना और निगरानी के लिए जिम्मेदार थे? बड़े सार्वजनिक आयोजनों में पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी अहम होती है। भीड़ का अनुमान, पुलिस बल की तैनाती, यातायात नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं की तैयारी केवल आयोजकों के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती।

क्या पुलिस ने आयोजन से पहले सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया था? क्या संपावित खतरों को लेकर आयोजकों को चेतावनी दी गई थी? भीड़ बेकाबू होने लगी, तो उसे नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए? क्या जरूरत के मुताबिक पुलिसकर्मी तैनात थे? इन सवालों के जवाब जांच से सामने आने चाहिए। यदि आयोजकों ने नियमों की अनदेखी की, तो उनकी जिम्मेदारी तय हो। लेकिन अगर निगरानी में प्रशासनिक चूक हुई, तो क्या संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह नहीं बनाया जाना चाहिए?

हादसे के बाद कार्रवाई करना जरूरी है, लेकिन उससे बड़ा सवाल यह है कि हादसे को रोकने के लिए पहले क्या किया गया था। क्या व्यवस्था की खामियों की जांच भी उसी गंभीरता से होगी, जिस गंभीरता से गिरफ्तारियां का जा रही हैं? रिपोर्टों में बारिश, भीड़ के दबाव और कथित भ्रामक घोषणाओं को हादसे के संभावित कारणों के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी एक वजह को अंतिम मान लेना जल्दबाजी होगी। जांच में सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, सुरक्षा कर्मियों की

स्वतंत्र मत

जबलपुर

न्याय वह विश्वास है, जो नागरिक को यह भरोसा देता है

सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक न्यायिक फैसलों के उजाले



ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण की पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में है, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभाव के दुष्परिणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा है। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बसस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय

संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुर्जोर वकालत करते हैं। इस प्रकार के दोहरे धर्मांतरण से जुड़े विवादों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या धमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है। अब समय आ गया है कि इस गंभीर विषय पर केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय मिलकर ठोस और प्रभावी कदम उठाएं ताकि इस दुरुपयोग को रोका जा सके।

इसी व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में सर्वोच्च न्यायालय का चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवादों पर हस्तक्षेप भी उल्लेखनीय है। 12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ के नेताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सर्वोच्च



न्यायालय की ओर मार्च किया, इस पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया भी सराहनीय है। भले ही विपक्ष ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, मतदाताओं के नाम हटाए जाने और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए, इन आरोपों की सत्यता का निर्धारण न्यायिक परीक्षण और संबंधित अभिलेखों के आधार पर होना चाहिए, लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को अपनी राजनीतिक इच्छा व्यक्त करने का संवैधानिक अवसर है। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता किसी एक दल का नहीं, पूरे लोकतंत्र का प्रश्न है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करना एक गलत परम्परा का सूत्रपात है।

15 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी नेताओं की याचिका पर निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह से सभी विवेक जोशी से जवाब माँगा। इससे स्पष्ट होता है कि निर्वाचन आयोग जैसी महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था के निर्णय भी न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकते हैं। आयोग की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि उसके प्रत्येक निर्णय को प्रश्नों से परे मान लिया जाए। इसी प्रकार, किसी निर्णय से असहमति अपने आप में यह प्रमाणित नहीं करती कि आयोग ने अनुचित कार्य किया है। न्यायिक समीक्षा का उद्देश्य

देव प्रकाश चौधरी

रिशतों को चार्ज करने वाला उपकरण बाजार में नहीं मिलता। और सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस दिन घर में बिजली चली जाती है, हम सबसे पहले मोबाइल की बैटरी देखते हैं। कभी यह नहीं देखते कि घर में बातचीत की ‘बैटरी’ कब से खत्म है? घर में अब आदमी कम और चार्जर ज्यादा हैं। हर उपकरण का अपना चार्जर है। मोबाइल का अलग, घड़ी का अलग, लैपटॉप का अलग, इंटरफोन का अलग। यहां तक कि कुछ उपकरण ऐसे हैं जिनका इस्तेमाल कम होता है, लेकिन उनका चार्जर हमेशा सुरक्षित रखा जाता है। लेकिन उसे फेंकने की हिम्मत नहीं होती। हो सकता है कभी काम आ जाए।

इस ‘कभी’ ने घर में इतनी चीजें बचा रखी हैं कि यदि पुरानी चीजों का संग्रहालय खुले तो प्रवेश टिकट अलग से लेना पड़े। एक चार्जर दूसरे के काम आ जाए तो विज्ञान में नई खोज मान ली जाएगी। घर के सदस्यों और रिश्तेदारों का मामला उलटा है। उनका कोई चार्जर नहीं होता। वे बिना चार्ज हुए धीरे-धीरे दूर होते जा रहे हैं। और फिर एक दिन बहुत दूर। किसी दिन घर में गिनती हो तो पता चलता है कि आदमी गए हैं और चार्जर नही। मुझे यह अनुपात ठीक नहीं लगता।

मोबाइल की बैटरी दस प्रतिशत रह जाए तो हम बेचैन हो जाते हैं। चार्जर ढूँढते हैं, प्लग लगाते हैं, बची हुई ऊर्जा को बचाते हैं। लेकिन बातचीत दस दिन से बंद हो तो कोई बेचैनी नहीं होती। रिश्ते महीनों से डिस्चार्ज पड़े रहें, हमें खबर तक नहीं होती। रिश्तों की बैटरी कब पांच प्रतिशत हुई, इसकी कोई सूचना नहीं आती। उसकी कोई

मौन रहे, तो आम नागरिक का न्याय व्यवस्था से विश्वास कमजोर हो सकता है। लेकिन यदि न्यायपालिका प्रत्येक राजनीतिक विवाद में स्वयं को निर्णायक नीति-निर्माता की भूमिका में रखे, तो शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत प्रभावित हो सकता है। लोकतंत्र की संस्थाएँ एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक-दूसरे को संवैधानिक मर्यादाओं में रखने वाली व्यवस्थाएँ हैं। विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका यह सुनिश्चित करती है कि कानून तथा उनका क्रियान्वयन संविधान की सीमाओं के भीतर हों। इन तीनों के बीच स्वस्थ संतुलन ही लोकातांत्रिक स्थिरता की आधारशिला है। सर्वोच्च न्यायालय की प्रतिष्ठा उसके आदेशों की कठोरता से अधिक उसकी निष्पक्षता, स्वतंत्रता और तर्कपूर्ण निर्णयों से निर्मित होती है।

आज देश को ऐसी न्यायिक सक्रियता की आवश्यकता है, जो अन्याय के सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्र के प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहों से अप्रभावित भी रहे, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखे, लेकिन उनकी जवाबदेही को भी सुनिश्चित करे। धर्मांतरण और आरक्षण के प्रश्न पर स्पष्टता, चुनावी विवादों में पारदर्शिता तथा न्यायालय के प्रति सम्मान-ये अलग-अलग विषय दिखाई दे सकते हैं, लेकिन इन सभी के केंद्र में एक ही मूल प्रश्न है कि संविधान की सर्वोच्चता व्यवहार में कैसे सुनिश्चित हो। न्याय का अर्थ किसी पक्ष की जीत और दूसरे पक्ष की हार भर नहीं है। न्याय वह विश्वास है, जो नागरिक को यह भरोसा देता है कि उसकी आवाज पूरी जाएगी, उसके अधिकारों का निष्पक्ष परीक्षण होगा और शक्तिशाली व्यक्ति या संस्था भी कानून से ऊपर नहीं होगी। सर्वोच्च न्यायालय की वास्तविक शक्ति तभी सिद्ध होगी, जब उसका प्रत्येक निर्णय निरपेक्ष शौर से ऊपर उठकर संवैधानिक विवेक, सामाजिक संवेदनशीलता और विधिक निष्पक्षता का उदाहरण बने।

रिश्तों का चार्जर बाजार में क्यों नहीं मिलता ?

देव प्रकाश चौधरी

रिशतों को चार्ज करने वाला उपकरण बाजार में नहीं मिलता। और सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस दिन घर में बिजली चली जाती है, हम सबसे पहले मोबाइल की बैटरी देखते हैं। कभी यह नहीं देखते कि घर में बातचीत की ‘बैटरी’ कब से खत्म है? घर में अब आदमी कम और चार्जर ज्यादा हैं। हर उपकरण का अपना चार्जर है। मोबाइल का अलग, घड़ी का अलग, लैपटॉप का अलग, इंटरफोन का अलग। यहां तक कि कुछ उपकरण ऐसे हैं जिनका इस्तेमाल कम होता है, लेकिन उनका चार्जर हमेशा सुरक्षित रखा जाता है। लेकिन उसे फेंकने की हिम्मत नहीं होती। हो सकता है कभी काम आ जाए।

इस ‘कभी’ ने घर में इतनी चीजें बचा रखी हैं कि यदि पुरानी चीजों का संग्रहालय खुले तो प्रवेश टिकट अलग से लेना पड़े। एक चार्जर दूसरे के काम आ जाए तो विज्ञान में नई खोज मान ली जाएगी। घर के सदस्यों और रिश्तेदारों का मामला उलटा है। उनका कोई चार्जर नहीं होता। वे बिना चार्ज हुए धीरे-धीरे दूर होते जा रहे हैं। और फिर एक दिन बहुत दूर। किसी दिन घर में गिनती हो तो पता चलता है कि आदमी गए हैं और चार्जर नही। मुझे यह अनुपात ठीक नहीं लगता।

मोबाइल की बैटरी दस प्रतिशत रह जाए तो हम बेचैन हो जाते हैं। चार्जर ढूँढते हैं, प्लग लगाते हैं, बची हुई ऊर्जा को बचाते हैं। लेकिन बातचीत दस दिन से बंद हो तो कोई बेचैनी नहीं होती। रिश्ते महीनों से डिस्चार्ज पड़े रहें, हमें खबर तक नहीं होती। रिश्तों की बैटरी कब पांच प्रतिशत हुई, इसकी कोई सूचना नहीं आती। उसकी कोई

लाल बत्ती नहीं जलती। कोई संदेश नहीं आता, आपका भाई आपसे काफी समय से बात नहीं कर रहा है। कृपया उसे चार्ज करें। लेकिन रिश्तों का चार्जर बाजार में नहीं मिलता। वह शायद घर में ही कहीं रखा है। क्या हम उसे ढूँढ नहीं पा रहे। वह कोई और समय था, जब रास्ते में मिलने के बाद बातचीत के बीच एक सहज और अनौपम्य संदेश होता था, कभी घर आओ। अब हम सब बिना किसी झिझक और संकोच के कहते हैं, कभी-कभी वीडियो कॉल कर लेना। फिर वह वीडियो कॉल भी नहीं होता। उसकी जगह एक संदेश आ जाता है,बिजी था। आज के इस दौर में यह ‘बिजी’ शब्द भी बड़ा सुविधाजनक है। इससे कोई पूछ नहीं सकता कि किस



काम में व्यस्त थे। मोबाइल पर चार घंटे क्या कर रहे थे, यह पूछना निजी स्वतंत्रता में सीधा हस्तक्षेप है। लेकिन रिश्तेदार का फोन न उठना व्यस्तता है। हमने उपकरणों को चार्ज करने की पूरी व्यवस्था कर ली है, रिश्तों को चार्ज करने की नहीं। चार्जिंग का तार उलझ जाए तो हम बैठकर सुलझाते हैं। रिश्तों की गांठ उलझ

जाए तो कहते हैं, अब क्या रखा है? शायद इसीलिए घर में अब चार्जर ज्यादा हैं, रिश्तेदार कम। चार्जर कम हो जाए तो बाजार से नया खरीद लेंगे। रिश्तेदार कम हो जाएं तो बाजार में नहीं मिलते। और सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस दिन घर में बिजली चली जाती है, हम सबसे पहले मोबाइल की बैटरी देखते हैं।

कभी यह नहीं देखते कि घर में बातचीत की ‘बैटरी’ कब से खत्म है। मोबाइल को चार्ज करने के लिए हमें बस एक सैंकेट चाहिए। रिश्ते चार्ज करने के लिए आदमी चाहिए। ऐसे आदमी हर घर में हैं जरूर, लेकिन अपने-अपने मोबाइल में।

टुकड़े करने के स्वप्न देखे उसका मिट जाना ही ठीक है।

अब जबकि रिश्तों के सम्मान का मामला सामने है, तब ‘जेएनयू के क्रांतिकारियों’ की चर्यनित चुपियां सवालों के घेरे में हैं। यह प्रकरण अपने पद का दुरुपयोग करते हुए छात्राओं के छेदी-छेदी का है। यह गुरु-शिष्य संबंधों को प्रभावित करता है। छात्राओं को भयभुक्त वातावरण प्रदान करना शासन- विश्व विद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। क्यों हम अपने परिसरों को छात्राओं के लिए सुरक्षित स्थान नहीं बना पाए हैं? जेएनयू जैसे जागरूक स्थान में ऐसा हो रहा है तो छोटे स्थान पर क्या हो रहा होगा? किसी छात्रा के लिए सत्ता प्रतिष्ठान से टकराना साधारण नहीं होता। बात जब यौन उत्पीड़न की हो मामला संवेदनशील हो जाता है। छात्राओं को हिम्मत देना जरूरी है। जेएनयू की प्रथम महिला कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धृतिपुड़ी पंडित ने संवेदना के साथ इस विषय में न्याय किया है। समाज के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्त्री सुरक्षा से जुड़े मामलों में ऐसी ही कार्रवाई अपेक्षित है।



रही हैं। आसान शिकार होने के नाते कुछ शिकारी उसकी घात में हैं, किंतु आज की औरत इससे डरती नहीं। घबराती नहीं। वह बने-बनाए कठघरों को तोड़कर आगे आ रही है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। आरोपी प्रोफेसर सांसद हैं तो उन्हें कुछ विशेषाधिकार जरूर हासिल हैं। ऐसे में मुद्दा यह भी है कि जब कानून बनाने वाले ही महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं तो राजनीतिक शुचिता का क्या होगा। दलगत राजनीति और चर्यनित चुपियां के

समय में राजनीतिक दलों का रवैया दोमुंहा हो जाता है। टीवी डिबेट्स में राजनीतिक दलों की महिला प्रवक्ता भी उक्त प्राध्यापक का बचाव करते नजर आ रहे हैं। यह तर्क भी कितने गलत है कि दूसरे दल के लोगों पर भी आरोप लगे हैं। इससे गहरी राजनीतिक संवेदनहीनता प्रकट होती है। आपको इसलिए छोड़ दिया जाए क्योंकि प्रतिपक्ष पर भी ऐसे आरोप हैं। नैतिकता और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर स्त्री सम्मान के लिए सभी

को खड़ा होना चाहिए। संसद को हम लोकतंत्र का मंदिर मानते हैं। वहां बैठे सांसदों से उच्च नैतिक आचरण की अपेक्षाएं बेमानी नहीं हैं। हालात इतने बदतर हैं कि गंभीर आरोपों से घिरे लोग अकसर संस्थागत जांच की वैधता पर सवालिया निशान लगाकर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास करते हैं। इस मामले में भी यही दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर जेएनयू प्रशासन का यह दावा कि उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए आंतरिक समिति की रिपोर्ट के आधार पर सांसद-प्राध्यापक पर कार्रवाई की गई है। यह साबित करता है कि राजनीतिक पदों की धमक से ऊपर अब संस्थागत नियमों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। विश्वविद्यालयों के परिसरों में वैचारिक विमर्श हों। संवाद हों। किंतु वे ताकतवर लोगों के लिए सुरक्षित शरणगाह नहीं बनें। लक्ष्मण रेखा खींचने की जरूरत है। इस पर शिक्षकों को विचार करना

होगा। अपने गिरेबां में झांकना होगा। शिक्षा परिसरों में पुलिस डेरा डाल रही है। उनकी स्वायत्तता और सम्मान आज हाथिए पर है। राजनीतिक दलों से जुड़ी अपनी आस्थाओं के कारण अगर शिक्षक अपनी भूमिका से समझौता करेंगे, तो उनका सम्मान बच नहीं सकता। विचारधारा और देशद्रोही विचारों के आधार पर चलने वाली शक्तियां परिसर को तो कलंकित करेंगी। शिक्षकों के सम्मान को आहत करेंगी। जेएनयू में कई वर्षों से चल रही भारत विरोधी गतिविधियों को रोकने, संभालने और अपने युवाओं को सही राह दिखाने की कोशिशें होतीं तो यह आज नासूर बनकर न फूटता। सवाल सीधा है कि जेएनयू में हर देशद्रोही को स्पेस क्यों मिल जाता है? कोई भी विचार तभी तक स्वीकार्य है, जब तक हमारी अकादमिक योग्यताओं को निखारने और संबंधित करने में सहायक हो। जो विचार देश तोड़ने और उसके

तेहगार। ईरानी सांसदों ने रविवार को मेहरदारद अखलाशी को देश का नया रक्षा मंत्री नियुक्त करने को मंजूरी दे दी। वे अपने पूर्ववर्ती की जगह लेंगे, जिनकी अमेरिका के साथ युद्ध के पहले दिन ही मौत हो गई थी। सरकार ने एटेलीविजन की रिपोर्ट के अनुसार, संसद में संघर्ष की शुरुआत करने वाले अमेरिकी-इजरायली हमलों के लगभग आठ महीने बाद, इस्लामिक क्रांति के संसद के सदस्यों ने सैनिकों को कैडेट्स के रूप में नामित करने से मना किया। सरकारी वेबसाइट के अनुसार, अखलाशी के पक्ष में पड़े, जिससे वे अनुभवी रक्षा अधिकारी अजीज नाहिरि के पक्ष की एक लीडरशिप कैंपाइड में भी मौत हो गई थी। उस हमले में पूर्व सैनिक और वरिष्ठ सैन्य कमांडर भी मारे गए। मतदान से पहले अखलाशी ने कहा कि मतदान है, तो एक बेहद संवेदनशील क्षण है, संसद के सदस्यों को एक साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे सैनिकों को एक साथ आने के लिए मौजूदा माहौल की सही समझना, अहम रक्षाओं की पहचान करना चाहिए। विभिन्न स्थितियों का सामना करने के लिए, उनके पास कोई सैन्य रैंक नहीं है। हालांकि, सैन्य मंत्रालय में काम किया जा रहा है। 2007 ईरानी रक्षा उद्योग संगठन में अखलाशी पर प्रतिबंध लगाया गया है। बैलैस्टिक मिसाइल गतिविधियों में शामिल हैं।

जर आई विद्या
को किया नमन

A woman is shown from the waist up, wearing a vibrant purple sari with a wide, ornate border in gold and red. The sari is adorned with intricate patterns and a large, circular gold brooch. She is looking over her shoulder towards the camera with a slight smile. The background is a solid green color.

कदम-कदम पर विराजीं जगतजननी, दुल्हन सा नजर आया शहर...

कटनी (स्वतंत्रमत)

शहर कटनी का दुर्गा पूजा पर्व अपनी विविधताओं के लिए जाना जाता है। साज सजावट ही नहीं मां जगदम्बे की प्रतिमाएं भी ऐसे स्वरूप में विराजित होती हैं, जो मनोहरी और कुछ न कुछ संदेश देने वाला होता है। दुर्गा समितियों के बीच सजावट की होड़ के चलते पूरा शहर दूधिया रोशनी में नहा रहा है। कदम कदम पर सजे स्थापना स्थलों से रोशनी का ऐसा सिलसिला तैयार हो चुका है कि इनके छूटे छेर जोड़ दिए जाएं तो अंधेरे के टुकड़े गायब हो सकते। माता की धूम के बीच जगह जगह चल रहे गरबा आयोजनों, महाआरती के कार्यक्रम, रामलीला का मंचन, रावण दहन की तैयारियों के साथ अन्य धार्मिक आयोजन बाइकोली की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान स्थापित कर रहे हैं। यह ऐसा समय होता है जब लोग अपने तमाम कामों से समय निकालकर माता की भक्ति में रम जाते हैं और यथासंभव योगदान देते हैं।



गर्ग चौराहा दुर्गाोत्सव समिति, गर्ग चौरहा



गर्ग चौराहा दुर्गाोत्सव समिति, गर्ग चौरहा



शंकर मंदिर गाटरघाट।



गर्ग चौराहा ओव्हर ब्रिज के पास विराजी नौ देवियां।



श्री श्री भारतीय दुर्गा उत्सव समिति।



माधवनगर में विराजीं महाकाली का अद्भुत स्वरूप



नवनीत युवा दुर्गा पूजा उत्सव समिति, जय हिन्द चौक।



जालपा मढ़िया के पास विराजी जगदम्बे।



विजय दुर्गा उत्सव समिति, गहोई धर्मशाला।



जय मां शेरवाली समिति, सत्यम एकेडमी।



शिवाजी दुर्गा उत्सव समिति ईश्वरीपुरा वार्ड।



आनंद दुर्गा उत्सव समिति, तिलक राष्ट्रीय स्कूल।



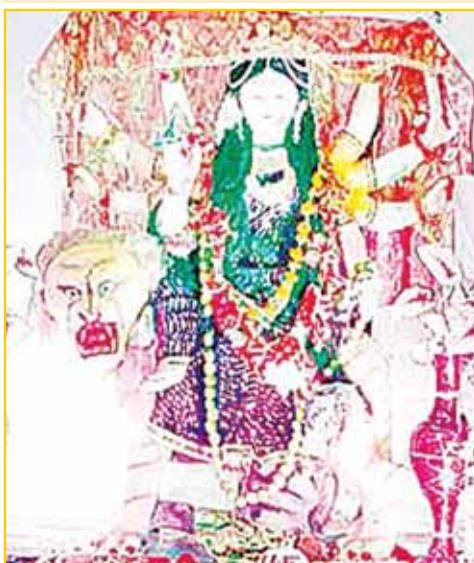
झांसी वाली मातारानी, जवाहर चौक।



सुखन चौक में विराजी मां भवानी।



आजाद चौक में स्थापित मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा।



नवनीत युवा दुर्गा पूजा उत्सव समिति, जय हिन्द चौक।

अष्टमी पर माता का आकर्षक श्रृंगार

कटनी (स्वतंत्रमत)। नवरात्र पर्व की अष्टमी के अवसर पर रविवार को आदिशक्ति जगतजननी मां दुर्गा की विशेष पूजा अर्चना करते हुए अठवाई का भोग लगाया गया। इस अवसर पर घरों के साथ ही शहर के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मातारानी के दर्शन किए। यहां पूजा अर्चना का सिलसिला अल-सुबह से शुरू होकर दोपहर तक चलता रहा। मंदिरों में मां दुर्गा का विशेष श्रृंगार भी किया गया। घरों में कहीं-कहीं कन्या भोजन का भी आयोजन किया गया। आज नवरात्र पर्व की नवमी पर जवारा विसर्जन के साथ ही नवरात्र पर्व का समापन हो जाएगा। शहर के प्रमुख आस्था के केन्द्र जालपा मढ़िया, जालपा वार्ड स्थित काली मंदिर, आजाद चौक स्थित आदिशक्ति जगत जननी दुर्गा मंदिर, बाबली टोला स्थित मरही माता मंदिर, झंडा बाजार खेरमाई मंदिर, भूमि प्रकट मां शारदा मंदिर बरगवां, घंटाघर स्थित काली मंदिर, विश्राम बाबा वार्ड स्थित मां काली धाम मंदिर, अशोक कालोनी स्थित मां शेरवाली मंदिर, तिलक कालेज रोड स्थित खेरमाई मंदिर,



खिरहनी फाटक के पास स्थित भूमि प्रकट मां शारदा मंदिर, समदड़िया सिटी स्थित श्री आदिशक्ति दुर्गा मंदिर, तिलक कॉलेज रोड स्थित बलखंडी माता की मढ़िया, खेरमाई माता मंदिर ओएफके, दखिन माता की मढ़िया खिरहनी फाटक, दुर्गा मंदिर एससीसी, खेरमाई मढ़िया विवेकानंद वार्ड, कुटला स्थित चंडिका देवी मंदिर, नई बस्ती शहीद द्वार दुर्गा मंदिर, उपनगरीय क्षेत्रों में स्थित देवी मंदिरों में नवरात्र की अष्टमी पर मां दुर्गा की विशेष पूजा अर्चना की गई।

कहीं चांद पर सवार तो कहीं सन्यासिन स्वरूप में दर्शन दे रही मां जगदम्बे

सतरंगी रोशनी से नहाया कटनी, अष्टमी को बढ़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कृषि उपज मंडी में कलका के कलाकारों की सजावट बनी आकर्षण का केंद्र

कटनी (स्वतंत्रमत)

शारदेय नवरात्र के सप्तमी पर्व पर शहर में विराजीं जगत जननी मां जगदम्बे के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब सड़कों पर उमड़ पड़ा। शाम होते ही शहर के प्रमुख बाजारों, चौक-चौराहों और दुर्गा पंडालों में भक्तों की भीड़ बढ़ने लगी। कहीं मां चंद्रमा पर सवार होकर भक्तों को दर्शन दे रही हैं, तो कहीं संन्यासी स्वरूप में विराजमान हैं। केसीएस शाला में मां महालक्ष्मी के स्वरूप ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया, वहीं कृषि उपज मंडी में झुले पर विराजमान मां और शेर की सवारी का मनोहारी स्वरूप आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कृषि उपज मंडी में कलका के कलाकारों ने भव्य सजावट की है।



यहां तैयार किया गया आकर्षक प्रवेश द्वार और विशाल पंडाल श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस बार दुर्गा समितियों के बीच पंडालों को नए और अनूठे स्वरूप में सजाने की होड़ भी देखने को मिल रही है। दुर्गा पंडालों पर जगह-जगह महाआरती के आयोजन भी चल रहे हैं।



चौक-चौराहों से बाजारों तक मां के जयकारे

शहर के झंडा बाजार, सराफा बाजार, आजाद चौक, गाटरघाट, शेर चौक, लक्ष्मी नारायण मंदिर, सुखन चौक, कचहरी चौक, साधूराम स्कूल, केसीएस शाला, गर्ग चौराहा, जवाहर



चौक, हीरागंज, चांडक चौक, मिशन चौक, बस स्टैंड, सुभाष चौक, सिविल लाइन, खिरहनी फाटक और बरगवां सहित उपनगरीय क्षेत्रों माधवनगर, एनकेजे, खिरहनी, आयुध निर्माणी और चाका में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। आजाद चौक से झंडा बाजार तक कदम-कदम पर मां



जगदम्बे के स्थापना स्थल सजे हुए हैं। आकर्षक विद्युत सज्जा और रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा मार्ग जगमगा उठा है। लक्ष्मी नारायण मंदिर के आसपास स्थित भवनों पर दोनों ओर लगाई गई विद्युत लड़ियां ने क्षेत्र की सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं। रात के समय रोशनी से जगमगाते बाजारों का नजारा देखते ही बन रहा है।



शाम होते ही सड़कों पर दिखा उत्सवी माहौल

शाम सात बजे के बाद सपरिवार घरों से निकले श्रद्धालु मां भवानी के मनोहारी स्वरूपों को अपलक निहारते रहे। पंडालों में गूंजते भजन, माता के जयकारे और श्रद्धालुओं की चहल-पहल से पूरा शहर भक्तिमय नजर आया। दर्शन और

किए हैं। हालांकि, तंग रास्तों और संकरी गलियों में वाहनों की आवाजाही के कारण कुछ स्थानों पर परेशानी भी देखने को मिली, लेकिन मां के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आई। नवरात्र के उल्लास के बीच पूरा कटनी शहर इन दिनों मां जगदम्बे की भक्ति और आस्था के रंग में रंगा हुआ है।



सिविक सेंटर दुर्गात्सव समिति दवा बाजार



प्रगतिशील दुर्गात्सव समिति तुलाराम चौक



मां विंध्यवासिनी दुर्गात्सव समिति अंधेरदेव



गोल्डन नाट्य दुर्गा उत्सव समिति



महाकाली उत्सव समिति बड़ा पत्थर

पैरा एशियन गेम्स- ओपनिंग सेरेमनी में प्रमोद-सिमरन ने थामा तिरंगा

भारत के 168 एथलीट लेंगे हिस्सा, 24 अक्टूबर तक चलेंगे खेल

आइची-नागोया (जापान) । जापान के आइची-नागोया में 5वें पैरा एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी रविवार को हुई। समारोह में भारत की ओर से पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट प्रमोद भगत और धाविका सिमरन शर्मा ने भारतीय दल की अगुआई की। दोनों ने नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में तिरंगा थामा। इस बार पैरा एशियन गेम्स 18 से 24 अक्टूबर तक चलेंगे। जापान के सम्राट नारहितो ने खेलों के उद्घाटन की घोषणा की।

भारत ने 281 सदस्यीय दल भेजा-पैरा एशियन गेम्स के लिए खेल मंत्रालय ने 168 एथलीटों सहित कुल 281 सदस्यीय भारतीय दल को मंजूरी दी है। दल में 98 टीम अधिकारी और सपोर्ट स्टाफ, जबकि 15 कॉन्टिजेंट स्टाफ के सदस्य शामिल हैं। भारतीय दल के 168 एथलीट 11 अलग-अलग खेलों में चुनौती पेश करेंगे। इनमें 112 पुरुष और 56 महिला एथलीट शामिल हैं।

45 देशों के खिलाड़ी पहली बार ले रहे हिस्सा-एशियन पैरालिंपिक कमेटी के अध्यक्ष



माजिद राशिद ने कहा कि इस बार पैरा एशियन गेम्स में पहली बार एशिया के सभी 45 देशों की भागीदारी होगी। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों और बाधाओं को पार कर खेलों तक पहुंचने के उनके प्रयासों की सराहना की। समारोह में मेजबान जापान के दल का भी जोरदार स्वागत किया गया।

24 अक्टूबर तक चलेंगे खेल-पैरा एशियन गेम्स 18 से 24 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। इस दौरान एथलीट 18 खेलों में हिस्सा लेंगे, जिनमें पैरा एथलेटिक्स, पैरा स्विमिंग, पैरा पावरलिफ्टिंग और बोचिया शामिल हैं। हालांकि, ब्लाईंड फुटबॉल, पैरा बैडमिंटन और पैरा टेबल टेनिस के कुछ शुरुआती मुकाबले 16 अक्टूबर से ही शुरू हो गए थे। खेलों का समापन 24 अक्टूबर को होगा।

प्रमोद ने 2020 पैरालिंपिक में

गोल्ड जीता था

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत भारत के सबसे सफल पैरा शटलरों में शामिल हैं। उन्होंने टोक्यो पैरालिंपिक-2020 में पुरुष सिंगल्स की स्क्वैटिंग में गोल्ड मेडल जीता था। वह पैरालिंपिक में बैडमिंटन का गोल्ड जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बने। इसके अलावा, उन्होंने 2018 एशियन पैरा गेम्स में सिंगल्स में गोल्ड और डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रमोद को 2019 में अर्जुन अवॉर्ड, 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और 2022 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

सिमरन पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट-पैरा एथलीट सिमरन शर्मा भारत की दुष्टिबाधित धाविकाओं में शामिल हैं। उन्होंने पेरिस पैरालिंपिक-2024 में महिलाओं की 200 मीटर ज़ाई

स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। सिमरन ने 2023 हांगझू पैरा एशियन गेम्स में 100 मीटर और 200 मीटर ज़ाई स्पर्धाओं में दो सिल्वर मेडल जीते। उन्हें खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए 2024 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

भारतीय दल पांच हजार साल पुरानी सभ्यता को लेकर उत्तरा-पांचवें एशियाई पैरा गेम्स 2026 के उद्घाटन समारोह में यहां रविवार को भारतीय दल ने केवल औपचारिक पोशाक ही नहीं पहनी थी, बल्कि वे 5,000 साल पुरानी सभ्यता को अपने साथ लेकर उतरे थे। इस दौरान भारतीय दल हाथ में तिरंगा लिये हुए थे। आज यहां पालोमा मिजुहो स्टेडियम में आयोजित समारोह में भारतीय दल ने औपचारिक ब्लेजर पहना हुआ था जो कि हमारी विरासत को सम्मान देता है। इसमें सिंधु घाटी सभ्यता की मुहरों के प्रिंट हैं। कॉलर पर सप्तसिंधु सात पवित्र नदियों की भूमि और महान सरस्वती नदी के प्रवाह को दर्शाती प्राचीन लिपि और प्रतीक चिन्ह अंकित हैं। जेब पर, दिल के ठीक ऊपर, भारत का तिरंगा गर्व से लगा हुआ है। इन खेलों में भारत का 281 सदस्यीय दल हिस्सा ले रहा है, जिसमें 168 एथलीट (112 पुरुष और 56 महिलाएं) शामिल हैं।



महाकाली नवयुवक समिति



माता महाकाली जागरूक युवा समिति



श्री पालकी वाली महारानी दरबार



बाल दुर्गात्सव समिति सिविल लाइन



जल शोधन की सेठानी परिवार

मंघाना की कप्तानी में भारत की लगातार दूसरी जीत

जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया, शेफाली की फिफ्टी, स्मृति ने नाबाद 47 रन बनाए

रायपुर। भारतीय महिला टीम ने दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। रायपुर में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 102 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.5 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ओपनर शेफाली वर्मा ने 25 गेंद पर 55 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान स्मृति मंघाना 23 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहीं।

शेफाली ने टी-20 में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाए-शेफाली वर्मा ने 2026 में विमेंस



टी-20 इंटरनेशनल में 922 रन बनाए हैं। वह एक कैलेंडर ईयर में इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने इसी साल 824 रन बनाए।

भारत ने साल में 17वीं टी-20 जीत दर्ज की-इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने 2026

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने न्यूजीलैंड को दो विकेट से हराया

नार्थ सिडनी (वार्ता) एलिस पेरी (52) और बेथ मूनी (38) रनों की शानदार पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात गेंदें शेष रहते दो विकेट से हरा दिया। जॉर्जिया प्लिम्पट को उनकी बेहतरीन (नाबाद 85) रनों की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। आज यहां ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने जॉर्जिया प्लिम्पट (नाबाद 85) और मैडी ग्रीन (56) की शानदार पारियों की मदद से निर्धारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 162 रनों का स्कोर बनाया। फ्लोरा डेवोन्शायर (एक) और कप्तान मेले की (नौ) रन बनाकर आउट हुईं।

कोयला गैसीकरण पर गैसीफिकेशन इंडिया सम्मेलन 22-23 अक्टूबर को राजधानी में नयी दिल्ली (वार्ता) ।

कोयला गैसीकरण के माध्यम से देश में औद्योगिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए गैसीफिकेशन इंडिया 2026 का आयोजन राजधानी में 22-23 अक्टूबर आयोजित किया जा रहा है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। सरकार के सहयोग से मिशन एनर्जी फाउंडेशन द्वारा आयोजित किये जाने वाले इस सम्मेलन का यह 17वां संस्करण है और यह कोयला एवं लिनाइट गैसीकरण पर भारत का प्रमुख सम्मेलन है। इसका उद्देश्य कोयला गैसीकरण के माध्यम से भारत के औद्योगिक परिवर्तन को गति देना है।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा



मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही जबरदस्त तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों और कंपनियों के वित्तीय परिणामों पर रहेगी। पश्चिम एशिया संकट एक बार फिर गहराने लगा है। कच्चे तेल को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि इसमें काफी ज्यादा उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इन कारकों के अलावा घरेलू स्तर पर कंपनियों के

सप्ताह आईटी कंपनियों में हुई जबरदस्त लिवाली का असर शेयर बाजारों पर दिखा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 2,256.94 अंक (3.11 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में 74,729.27 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 625.70 अंक यानी 2.78 फीसदी की बढ़त के साथ शुक्रवार को 23,146.15 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का 23 सितंबर के बाद का उच्चतम स्तर है। वृहत बाजार में मिला-जुला रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.95 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.12 प्रतिशत टूट गया। संसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर हरे निशान में रहे।

आंदोलनों की भेंट चढ़ा दिवाली का त्योहार ?

दिल्ली के व्यापारियों पर दृढ़ आर्थिक संकट

नई दिल्ली। त्योहारों के इस महासीजन में देश की राजधानी दिल्ली से व्यापार जगत के लिए एक बेहद परेशान करने वाली खबर सामने आई है। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से जारी लगातार राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों, रैलियों और रास्तों की नाकेबंदी के कारण दिल्ली का व्यापार पूरी तरह ठप हो गया है। व्यापारियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने शनिवार को आंकड़े जारी कर बताया कि अक्टूबर के शुरुआती दो हफ्तों में ही दिल्ली के बाजारों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का भारी



नुकसान हो चुका है। रास्ते बंद होने और मेट्रो स्टेशनों पर ताले लटकने से पूरी दिल्ली की सप्लाई चेन टूट गई है। चैयरमैन ब्रजेश गोयल ने चेतावनी दी है कि यदि यही स्थिति बनी रही, तो दिवाली तक यह नुकसान 10,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा।

दो झटकों में डूबा व्यापारियों का मुनाफा-सीटीआई के मुताबिक,

बंदी की वजह से 1,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त नुकसान जुड़ा। खुदरा और थोक बाजारों की टूटी कम्मर-नवरात्र और दिवाली के इस सीजन में दिल्ली का शायद ही कोई ऐसा सेक्टर हो जिसे इस आंदोलन का खामियाजा न भुगतना पड़ा हो खरीदारी पूरी तरह रुकने से रिटेल सेक्टर को सबसे तगड़ी मार पड़ी है और अकेले यहां 1,800 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। इससे दिल्ली के 700 से ज्यादा प्रमुख बाजार जैसे चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग, कश्मीरी गेट और कर्नाट प्लेस बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। थोक बाजारों को करीब 600 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

व्यापारियों को यह भारी वित्तीय नुकसान दो मुख्य चरणों में उठाना पड़ा है, पहला झटका महिने के शुरुआत में हुए पहले बड़े प्रदर्शन के कारण एक ही दिन में 2,000 करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित हुआ। दूसरा झटका सेंट्रल दिल्ली में लगातार चार दिनों तक रास्ते बंद रहे। कर्नाट प्लेस में मेट्रो और सेंट्रल पार्क की

फोटो : अनिल तिवारी एवं बबलू रजक

नवरात्रि का पर्व देता है समाज में एकता और सद्भाव का संदेश

इंदौर में विशाल चुनरी यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)

नवरात्रि के पावन पर्व पर इंदौर में रविवार को भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव प्रसिद्ध बड़ा गणपति मंदिर से प्रारंभ हुई विशाल चुनरी यात्रा में शामिल हुए। यह यात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई एरोड्रम क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध विज्ञान माता मंदिर पहुंची,जहां यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं श्रद्धा के साथ सहभागिता की। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और स्वागत के माध्यम से यात्रा का अभिनंदन किया।

मां के आशीर्वाद से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चुनरी यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि मां दुर्गा की आराधना का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख,शांति,वैभव और आनंद लेकर आए। मां के आशीर्वाद से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों तथा प्रदेश में सुख-समृद्धि और खुशहाली का वातावरण बना रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि का महापर्व



हमें मां दुर्गा की आराधना के साथ जीवन में शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने की प्रेरणा देता है। मां की कृपा सभी पर बनी रहे और आने वाले दशहरे और दीपावली के पर्व सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से जयकारे लगवाते हुए मां के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की।

चुनरी यात्रा के आयोजन की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चुनरी यात्रा के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस

प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चुनरी यात्रा के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों,जातियों और पंथों के लोगों को एक साथ आने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि मां के दरबार में सभी समान हैं। यहां ऊंच-नीच,अमीर-गरीब और जाति-पंथ का कोई भेद नहीं होता। मां के प्रति श्रद्धा और आस्था सभी को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता,आपसी सद्भाव और एकता को भी मजबूत करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नागरिकों को दशहरे और दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए मां दुर्गा से प्रदेशवासियों के सुख,शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

महिलाओं ने चुनरी यात्रा में भाग लेकर अपनी आस्था प्रकट की

विशाल चुनरी यात्रा के दौरान पूरा वातावरण माता रानी के जयकारों से भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में महिलाओं ने चुनरी यात्रा में भाग लेकर अपनी आस्था प्रकट की। श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति से मार्ग में जगह-जगह धार्मिक उल्लास का वातावरण निर्मित हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक तथा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट,महापौर पुष्पमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेन्दोला,गोलू शुक्ला,श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ तथा महेंद्र हाडिया, सुमित मिश्रा, श्री श्रवण सिंह चावड़ा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, आकाश विजयवर्गीय तथा गोपी कृष्णा नीमा,प्रताप करीमिया, सावन सोनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

आदर्श विद्यालयों से ही नई पीढ़ी संस्कारित होगी : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मानव बाल कल्याण समिति के महाकालपुरम प्रकल्प का किया भूमिपूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आदर्श विद्यालयों से ही नई पीढ़ी संस्कारित होगी। शिक्षा के नए प्रकल्पों की शुरुआत इस दिशा में एक शुभ संकेत है। विद्यालय व्यक्तिगत

मान अपमान के लिए नहीं होते हैं। यहां पर सब लोग एक समान रूप में शिक्षा ग्रहण करते हैं। गुरु सांदीपनि की परंपरा का निर्वहन करते हुए उज्जैन से कृष्ण और सुदामा की नई पीढ़ी निकलेगी। डॉ. यादव रविवार को उज्जैन के जियापुरा में विद्या भारती की मानव बाल कल्याण समिति (विद्याभारती) के द्वारा निर्मित होने वाले बं ह् उ द्देशी य

इस अवसर पर संबोधित करते हुए सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि विद्या भारती ऐसी संस्था है जहां पर बच्चों को सर्वांगीण विकास होता है। सांसद श्री फिरोजिया ने कहा कि मैं भी सरस्वती शिशु मंदिर का



महाकालपुरम प्रकल्प के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में महाअष्टमी के दिन शिक्षा के एक नए चरण की शुरुआत हो रही है। पहले से ही उज्जैन में दो सरस्वती शिशु मंदिर संचालित हो रहे हैं जो कि मध्यप्रदेश बोर्ड के अधीन हैं। यह नया प्रकल्प सीबीएसई के अनुसार शिक्षण प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस प्रकल्प के लिए पूर्व में स्वीकृत किए गए 75 लाख के अलावा 1.25 करोड़ रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकालपुरम का शिलान्यास एवं भूमि-पूजन किया।

छात्र रहा हूं। यह ऐसी संस्था है जो छात्रों को अच्छे आचरण, संस्कार व नैतिकता का पाठ पढ़ाती है। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विद्या भारती अखिलेश मिश्रा, संत श्री श्याम गिरी महाराज (राधे-राधे बाबा), महापौर मुकेश टटवाल, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, सिंहस्थ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, राकेश पंड्या, मानव बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र मेहता, मानव बाल कल्याण समिति के सचिव योगेश, पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

नृत्य रास गरबा महोत्सव में नौ थीम नौ रंगों से हो रही मां की आराधना

दमोह (स्वतंत्र मत)

किर्लाई नाका के समीप नवरात्रि के अवसर पर आयोजित नृत्य रास गरबा महोत्सव में मातृशक्तियां गरबा के माध्यम से मां दुर्गा की आराधना कर रही हैं। नौ दिन नौ थीम और नौ रंगों की अवधारणा पर आधारित इस महोत्सव में हर दिन पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का नया रंग देखने को मिल रहा है। महोत्सव के पांचवें दिन माटी की खुशबू दीपों की रोशनी और गरबा की ताल थीम पर आयोजन हुआ। इस दौरान महिलाएं और युवतियां सफेद



साड़ी एवं लहंगे में नजर आईं। वहीं युवक सफेद कुर्ते में सजकर गरबा की ताल पर थिरकते दिखाई दिए। पारंपरिक वेशभूषा, संगीत और आकर्षक रोशनी के बीच

सामूहिक गरबा ने उत्सव में सांस्कृतिक रंग भर दिए।

30 प्रकार के गरबा आकर्षण का केंद्र- महोत्सव में गुजरात की मिट्टी की खुशबू और

लोक संस्कृति को दर्शाते पारंपरिक गरबा, रास, डांडिया रास, हेरिटेज गरबा, फोक एवं ट्राइबल गरबा सहित राजस्थान के रॉयल रजवाड़ी गरबा की प्रस्तुतियों के लिए करीब 30 प्रकार की शैलियां तैयार की गई हैं। इनके माध्यम से भारतीय लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता की झलक देखने को मिल रही है। आयोजन स्थल पर बच्चों के मनोरंजन के लिए जर्पिंग, ट्रैम्पोलिन, मिकी माउस, झूले और कार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के स्टॉल भी लगाए गए हैं जहां लोग खानपान का आनंद ले रहे हैं।

असादी महिला समिति द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)

नवरात्रि पर मां जगदंबा की स्तुति, आराधना और जगत में सुख समृद्धि की कामना को लेकर दमोह असादी महिला समिति द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम महिला समिति की सचिव रागिनी असादी व कोषाध्यक्ष सोनल असादी ने उपस्थित सभी जनों का स्वागत कर नवरात्रि की बधाई दी और मंच संचालन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां जगत जननी की पूजा व दीप प्रज्वलन के साथ दमोह समाज के वरिष्ठ बंधुओं इंजी रमेश आलोक असादी, विनय असादी दो भाई, एसके असादी, मुरारी



असादी, शैलेंद्र शैलू, विवेक असादी के द्वारा मातृशक्ति के कर कमलों द्वारा किया गया। पूजन के दौरान समाज की बेटी कु. काजल असादी ने मधुर स्वर में माता की अद्भुत आरती प्रस्तुत की। इस

दौरान पूरा संस्कार भवन देवालय की भांति प्रतीत हो रहा था और सभी समाजबंधु श्रद्धा भक्ति भाव के साथ माता की स्तुति में तल्लीन दिखे। कार्यक्रम की श्रृंखला में सर्वप्रथम देवी स्वरूप छोटी-छोटी

कन्याओं द्वारा मां की स्तुति गरबा नृत्य के माध्यम से की गई। पूरे महोत्सव में 9 गरबा नृत्य की प्रस्तुतियां समाज की छोटी बेटियों, नव युवतियों व मातृशक्तियों द्वारा सुंदर और शालीन गरबा नृत्य की व्यवस्थित कृति भिन्न-भिन्न तालियों व डांडिया के साथ प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम स्थल पर चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट और ढोल-नगाड़े, मृदंग की मधुर ध्वनि से माहौल भक्तिमय हो गया था। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठों व मातृशक्ति के कर कमलों से प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही समस्त प्रायोजकों को सुंदर उपहार देकर आभार व्यक्त किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल के साथ मोटर साइकिल से लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

दमोह (स्वतंत्र मत)। त्योहारों के दृष्टिगत नगर में चाक चौबंद कानून व्यवस्था, शांति एवं आमजन विशेषकर महिलाओं व बच्चों की पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा देर रात शहर के मुख्य मार्गों, संवेदनशील क्षेत्रों एवं गरबा पंडालों का मोटरसाइकिल से सघन भ्रमण किया गया। रात्रि भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने तहसील ग्राउंड, कीर्ति परिसर, ब्रजवासी स्ट्रीट एवं नीलकमल गार्डन स्थित प्रमुख गरबा स्थलों का जायजा लिया। इसके पश्चात राय चौराहा, तीन गुल्ली, घंटाघर, टॉकीज तिराहा, पुराना थाहा, चमन चौक होते हुए धरमपुरा, पठानी मस्जिद से बड़ी देवी मंदिर तक मोटर साइकिल से गश्त कर जमीनी सुरक्षा व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान देवी पंडालों और मुख्य चौराहों के आसपास आकाश घूम रहे संधिंध व शरारती तत्वों की मौके पर ही फिस्किंग सघन तलाशी की गई। उनसे देर



रात घूमने का कारण पूछकर पूछताछ की गई तथा शांति भंग करने का प्रयास करने पर वैधानिक कार्रवाई की सख्त चेतावनी दी गई। गरबा स्थलों के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री कलादगि ने आयोजकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी अनाधिकृत अथवा बाहरी व्यक्ति को गरबा परिसर

में प्रवेश न दिया जाए। केवल विधिवत पंजीकृत रजिस्टर्ड व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति मिले। महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएं। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने गरबा पंडाल में समस्त लोगों को अवगत कराया कि महिलाओं की त्वरित सुरक्षा व सहायता हेतु जिले में शक्ति मोबाइल विशेष रूप से निर्तर गश्त पर तैनात है। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी संधिध गतिविधि अथवा आपातकालीन स्थिति में तत्काल शक्ति मोबाइल अथवा डायल 112 अथवा पुलिस कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7587619008 पर संपर्क करें। रात्रि भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरियाए नगर पुलिस अधीक्षक एचआर पांडेय, कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार, यातायात प्रभारी दलबीर सिंह माकों सहित थाना कोतवाली व यातायात का पुलिस बल मौजूद रहा।

कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्यवाही

हत्या के प्रयास के गंभीर मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

दमोह (स्वतंत्र मत)। 13 अक्टूबर को फरियादी सूरज रैकवार उम्र 32 वर्ष निवासी मुकेश कॉलोनी दमोह पर आरोपी कृष्णा उर्फ छोटा चेतन अट्ट्या, निवासी मुकेश कॉलोनी दमोह द्वारा पुरानी रंजिशा के चलते जान से मारने की नीयत से तलवार से हमला कर चोट पहुंचाई गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना कोतवाली में तत्काल अपराध क्र. 897/26 धारा 109 (1), 115 (2), 118 (1), 296 (बी), 351 (3), वीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के पालन में पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह एवं नगर पुलिस अधीक्षक दमोह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी



कोतवाली निरीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में दमोह कोतवाली पुलिस द्वारा दिनांक 17.10.2026 को आरोपी कृष्णा उर्फ छोटा चेतन अट्ट्या को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों में निरीक्षक मनीष कुमार, उपनिरीक्षक चंदन सिंह, आर. भूपेन्द्र पाण्डेय एवं आर. ओमकार पट्टेरिया शामिल हैं।

मां के आगमन से जगमगा रहा पथरिया, चहुंओर गूंज रहे जयकारे



पथरिया (स्वतंत्र मत)। मां के आगमन से पूरा पथरिया भक्तिरस में सरबोर नजर आ रहा है। नगर के समस्त वार्डों में जगह-जगह माता रानी की सजीव प्रतिमाएं विराजमान हैं। आकर्षक पंडालों, विद्युत सज्जा और माता रानी के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा है। हर ओर आस्था और उल्लास का माहौल है तो वहीं रोशनी से जगमगाता शहर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नगर में संजय चौराहे पर मां नगर सेठानी, एक्सीलेंस स्कूल ग्राउंड में मां महारानी, जनपद पंचायत के सामने मां जगत जननी, वार्ड क्रमांक 7 में



जय मां भवानी, चौरसिया मोहल्ला और वार्ड क्रमांक 9 में नगर सेठानी लवकुश समिति सहित कई स्थानों पर माता रानी की प्रतिमाएं विराजमान हैं। इन स्थानों पर श्रद्धालु दर्शन कर मां का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। वहीं नगर में एकमात्र स्थान वार्ड नंबर 13 में विराजमान महाकाली माई की प्रतिमा भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का विशेष केंद्र बनी हुई है। आकर्षक रोशनी से सजा पथरिया रात के समय मानो सूर्य की आभा बिखेर रहा है। माता रानी की भक्तिए श्रद्धा और जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो गया है

हटा में गुजरात के खेड़ा से आए समाज ने चार स्थानों पर स्थापित किए मां के विभिन्न स्वरूप

हटा (स्वतंत्र मत)

बुंदेलखंड की उपकाशी हटा की धार्मिक विरासत अपने भीतर आस्थाए इतिहास और परंपराओं की अनूठी गाथा समेटे हुए है। नगर के रतन बजरिया और चंडी जी मार्ग पर विराजमान मां महालक्ष्मीए महारसस्वतीए महाकाली और जिया की माता के चार प्रमुख स्थानों का इतिहास गुजरात के खेड़ा जिले से आकर बसे समाज से जुड़ा है। इन माता स्वरूपों की स्थापनाए सेवा और संरक्षण की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। शारदेय नवरात्र के नौ दिनों में यहां तिथिवार आकर्षक झांकियां सजाई जाती हैं और माता का विभिन्न स्वरूपों में श्रृंगार कर विधिविधान से पूजा अर्चना की जाती है।

महाकाली दक्षिण भारत से हटा लाई गई थी प्रतिमा

चंडी जी मार्ग पर विराजमान महाकाली की प्रतिमा का इतिहास विशेष महत्व रखता



है। बताया जाता है कि श्रीनाथ पंड्या की दादी माता की प्रतिमा दक्षिण भारत के चीकाकोल से लेकर आई थीं। माता के रौद्र स्वरूप के कारण इन्हें महाकाली के रूप में पूजा जाता है। बाद में देवेंद्रनाथ पंड्या और उनके परिजनों ने नवरात्र के दौरान माता की झांकी सजाने और पूजा-अर्चना की परंपरा को आगे बढ़ाया। आज भी उनके पुत्र और परिजन इस धार्मिक परंपरा का निर्वहन कर

रहे हैं। रतन बजरिया के मुख्य बाजार में विराजमान मल्लू माता महारसस्वती की कहानी बेहद रोचक है। पूर्व प्राचार्य विनय दवे के अनुसार ब्रिटिश शासनकाल में नाजिर के फाटक पर कुर्की के सामान के साथ माता की प्रतिमा भी रखी गई थी। समाज के लोगों ने धार्मिक भावनाओं का हवाला देते हुए प्रतिमा को नीलाम न करने

का अनुरोध किया। इसके बाद समाज के पंचों ने सरकारी खजाने में साढ़े छह आने जमा कराकर प्रतिमा प्राप्त की। इस कार्य में स्वर्गीय कुंदनलाल बजाज, स्व. गजाधर शुक्ला, स्व. वृंदावन स्वामी और स्व. उमाशंकर दवे सहित अन्य लोगों का योगदान रहा। किसी ने माता के लिए तख्त दियाए तो किसी ने वस्त्र और पूजन सामग्री की व्यवस्था की। इसके बाद प्रतिमा को प्रभाशंकर जोशी के परिवार की महिला के कमरे में स्थापित किया गया जिन्हें स्थानीय स्तर पर रज्जोशन डुकरियाश के नाम से जाना जाता था। कुंदनलाल बजाज के भतीजे रामसहाय बजाज ने छोटी उम्र से ही माता की सेवा शुरू कर दी थी। उन्होंने जीवनभर मल्लू माता की झांकी सजाने की परंपरा निभाई। वर्तमान में पंच कमेटे द्वारा उनके नाती अजय बजाज के नेतृत्व में झांकी सजाई जाती है। नवरात्र के बाद माता को दिवारें वालों के आवास स्थित दिवारें पर विराजमान किया जाता है जहां संबंधित परिवार वर्षभर पूजा अर्चना करता है।



» अष्टमी के पर्व पर माता का लिया आशीर्वाद
लोक निर्माण मंत्री पहुंचे मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर
जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर आज जबलपुर स्थित मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर में सपरिवार दर्शन-पूजन किया। उन्होंने जगत जननी मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने ग्वारीघाट स्थित सिद्ध घाट पहुंचकर मां नर्मदा जी का पूजन-अर्चन किया। इसके बाद उन्होंने श्री सिद्ध धाम में श्री निर्विकार पथ के प्रणेता श्री श्रीबाबाश्री जी के श्रीचरणों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

» असंगठित श्रमिकों का किया जाएगा पंजीयन
प्रधानमंत्री श्रम मानधन योजना के लिए जिले में लगेंगे शिविर
जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभांश्चित करने के उद्देश्य से जिले में मिशन मोड पर पंजीयन अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में क्लस्टर स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने इस संबंध में आदेश जारी कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के असंगठित क्षेत्र के महिला एवं पुरुष श्रमिकों को लाभांश्चित किया जाएगा। योजना में पंजीकृत हितग्राहियों को निर्धारित आयु तक नियमित रूप से प्रीमियम का भुगतान करना होगा।



स्वतंत्र मत
जबलपुर

सिंचित जमीन के मुआवजे मामले में किसान को हाईकोर्ट की बड़ी राहत

कलेक्टर का आदेश रद्द, 60 दिन में नए सिरे से निर्णय के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जलाशय योजना के तहत अधिग्रहित जमीन के मुआवजे से जुड़े मामले में किसान रामनारायण को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से राहत मिली है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कलेक्टर सागर का 19 फरवरी 2017 का आदेश रद्द कर दिया। साथ ही कलेक्टर को किसान के आवेदन पर नए सिरे से 60 दिनों के भीतर वैधानिक निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।

सीनियर एडवोकेट रामेश्वर सिंह ठाकुर और कविता अहिंवार के तर्कों तथा कानूनी प्रावधानों को देखते हुए जस्टिस मनेंद्र एस. भट्टी की पीठ ने स्पष्ट किया कि भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 64 के तहत कलेक्टर को मामले के गुण-दोष पर खुद निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। उनका दायित्व मामले को उचित प्राधिकारी या संदर्भ न्यायालय को भेजना है।

जानकारी अनुसार सागर जिले की केसली तहसील के ग्राम पोलोह निवासी किसान रामनारायण की कृषि भूमि सूरजपुर जलाशय योजना के तहत जल संसाधन विभाग ने अर्जित की थी। इसमें खसरा नंबर 89/2 की 0.10 हेक्टेयर और खसरा नंबर 174/3 की 0.61 हेक्टेयर जमीन शामिल थी। वर्ष 2012-2013 के खसरा रिकॉर्ड, पटवारी



मानचित्र और स्थापित बोरवेल व मोटर पंप को संशोधित अधिनिर्णय में सिंचित भूमि को अर्सिंचित मान लिया गया। इसके कारण

दो विश्वविद्यालयों में भर्ती निरस्तीकरण

भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल की ओर से वर्षों पुरानी भर्ती प्रक्रिया को अचानक निरस्त किए जाने के मामले में हाई कोर्ट ने सख्ती बरती है। वर्ष 2014 के विज्ञापन के तहत मार्च 2016 में आयोजित परीक्षा को सितंबर 2017 में रद्द किए जाने को चुनौती देती याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को मूल रिकॉर्ड और संपूर्ण नस्ती (फाइल) के साथ व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने यह स्पष्ट करने को कहा है कि परीक्षा संपन्न होने के बाद आखिरकार किस वैधानिक प्रावधान और प्रशासनिक आधार पर प्रक्रिया को खारिज किया गया। अगली सुनवाई 18 नवंबर को होगी। दरअसल, यह पूरा मामला भोपाल निवासी अनिल कुमार सोनी द्वारा भोज मुक्त विश्वविद्यालय

एवं अन्य के खिलाफ दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि वर्ष 2014 में विभिन्न पदों के लिए विज्ञापन जारी हुआ था, जिसके क्रम में 27 मार्च 2016 को परीक्षा ली गई, लेकिन 1 सितंबर 2017 को एक आदेश के जरिए न सिर्फ विज्ञापन बल्कि पूरी भर्ती परीक्षा ही रद्द कर दी गई। हाल ही में 16 अक्टूबर 2026 को हुई सुनवाई में हाई कोर्ट ने विश्वविद्यालय के वकील को मूल फाइल पेश करने के निर्देश दिए थे, ताकि फैसले के पीछे के असली तथ्यों की पड़ताल हो सके। हाई कोर्ट की जबलपुर पीठ ने बरकरतउल्ल विश्वविद्यालय, भोपाल को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि समान पद पर कार्यरत कनिष्ठ कर्मचारियों को नियमित करने के बाद वरिष्ठ याचिकाकर्ता को इस लाभ से वंचित रखना भेदभावपूर्ण है।

जबलपुर मंडल ने स्पेशल एवं डायवर्टेड ट्रेनों का किया सफल परिचालन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर मंडल द्वारा वर्तमान माह अक्टूबर - 26 के दौरान अभी तक रिकॉर्ड संख्या में यात्री गाडिओं का परिचालन किया गया। 1 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक नियमित गाडिओं के परिचालन के साथ साथ मंडल द्वारा 259 स्पेशल ट्रेनों एवं 125 डाईवर्टेड ट्रेनों का परिचालन सफलता पूर्वक किया गया है। उपरोक्त सभी 384 ट्रेनें अन्य रेल मंडलों द्वारा प्रारंभ की गईं या अन्य मंडलों में विभिन्न कारणों से मार्ग

बाधित होने के कारण जबलपुर मंडल से होकर परिचालित की गईं। जबलपुर मंडल द्वारा अपने वर्तमान संसाधनों लोको क़ू एवं पाथ के कुशल प्रबंधन तथा उच्च कार्यक्षमता का प्रदर्शन करते हुए अतिरिक्त ट्रेनों का परिचालन मंडल के रेल नेटवर्क पर किया गया। इसी प्रकार मॉल गाडिओं के अधिक से अधिक परिचालन एवं एक साथ अधिकतम वैगनों के परिवहन के साथ पाथ एवं समय की बचत के लिए दो मॉल गाडिओं को जोड़कर एक बड़ी ट्रेन के रूप में लॉन्ग हौल गाडिओं का परिचालन भी उपरोक्त अवधि में कुल 47 लॉन्ग हौल रिकॉर्ड संख्या में किया गया। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरैजा के नेतृत्व में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक प्रिंस विक्रम तथा रवि प्रकाश के मार्गदर्शन में मंडल परिचालन विभाग संरक्षा एवं समय पालन सुनिश्चित करते हुए यात्री गाडिओं तथा मॉल गाडिओं के संचालन में उच्चतम कार्यक्षमता के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत नेशनल हाईवे-30 की घटना, बाइक सवार दो हुए हादसे का शिकार, एक गंभीर

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। नेशनल हाईवे-30 पर छपरा और धनगवां के बीच रविवार शाम सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों रिश्तेदार के शोक कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, आलासूर सिमरिया निवासी वीरेंद्र कुमार भूमिया (27) और बुढ़ागर निवासी मनोज पिता जम्मन भूमिया (30) रविवार दोपहर अपने साइ्र भाई के यहां गमी में शामिल होने गए थे। वहां से लौटते समय शाम करीब 5 बजे छपरा-धनगवां के बीच



नेशनल हाईवे-30 पर हादसा हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक

सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों को निजी वाहन से सिहोरा सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद वीरेंद्र कुमार भूमिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं, मनोज की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने हादसे के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिहोरा सिविल अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है। पुलिस टक्कर मारकर भागे अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है। आरोपी चालक का पता लगाने पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर रही है।

राजपूत सभा मनाएगी भव्य शक्ति-शस्त्र पूजन पर्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयादशमी (दशहरा) के पावन पर्व पर राजपूत सभा द्वारा भव्य शक्ति एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन राजपूत सभा भवन, गोरखपुर इमली पुरा में आयोजित होगा। राजपूत सभा के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष का शस्त्र पूजन कार्यक्रम आज 20 अक्टूबर 2026, दिन मंगलवार को प्रातः 11:30 बजे संपन्न होगा। विजयादशमी के इस शुभ अवसर पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार शक्ति की अराधना और शस्त्रों का पूजन किया जाएगा। सभा द्वारा समस्त राजपूत सामाजिक बंधुओं से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं। आयोजकों ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में क्षत्रिय एकता, संगठन की शक्ति और सामाजिक एकरूपता का परिचय देना है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी से 1.77 लाख की ठगी फेसबुक लिंक से ड्राई फ्रूट्स किए थे ऑर्डर, माढ़ोताल पुलिस ने किया मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माढ़ोताल थानाक्षेत्र अंतर्गत रहने वाले एक 65 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्मचारी ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गए। साइबर ठगों ने ड्राई फ्रूट्स बेचने के नाम पर उनके बैंक खाते से 1 लाख 77 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर माढ़ोताल पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार पीड़ित आर.के. गुप्ता को फेसबुक पर श्रीराम ड्राई फ्रूट्स का एक लिंक दिखाई दिया था। उन्होंने इस लिंक के जरिए ड्राई फ्रूट्स का ऑर्डर दिया। 10 अक्टूबर 2026 को उन्होंने अपने एसबीआई खाते से पेटोएम के जरिए 1,000 रुपए एडवांस दिए थे। ऑर्डर नहीं मिलने पर गुप्ता ने विक्रेता से संपर्क किया। इस दौरान ठग ने मर्चेंट ऐप के जरिए 1,000 रुपए वापस लौटाने का झांसा दिया। इसके बाद आरोपी ने



व्हाट्सएप पर उनसे बातचीत शुरू की और पेटोएम ऐप खोलने को कहा। 15 अक्टूबर 2026 को आरोपी ने गुप्ता को गुमराह कर कई किस्तों में उनके बैंक खाते से कुल 1 लाख 77 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने 17 अक्टूबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई। माढ़ोताल पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

स्वामित्व योजना के कार्यों में लाएं तेजी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने आज विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर शासकीय योजनाओं के क्रि यान्वयन और कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने धान पंजीयन के सत्यापन, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण, किसानों की ई-केवायसी तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत रजिस्ट्री के कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर जनपद पंचायत पनागर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सूखा पहुंचे। यहां उन्होंने धान पंजीयन सत्यापन, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत रजिस्ट्री के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों की पट्टा वितरण और पेंशन संबंधी समस्याओं का निराकरण

कलेक्टर ने किया ग्रामों का भ्रमण, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश



करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी कराने के निर्देश

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा जनपद पंचायत पनागर क्षेत्र

स्वामित्व योजना के कार्यों की समीक्षा

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्राम बेलखाड़ा पहुंचकर स्वामित्व योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी और रजिस्ट्री के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पटवारी को ग्राम के कोटवार के साथ समन्वय बनाकर पात्र हितग्राहियों से संपर्क करने तथा ई-केवाईसी और रजिस्ट्री का कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। ऐसे ही ग्राम पंचायत बघौड़ा के ग्राम पिपरिया में दुर्गा पंडाल पहुंचकर स्वामित्व योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान पटवारी ने उन्हें कार्य की प्रगति से अवगत कराया। इसके बाद वे पनागर के बाद जनपद पंचायत सिहोरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत जुझारी पहुंचे। यहां उन्होंने स्वामित्व योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति के संबंध में चर्चा की।

जानकारी ली। उन्होंने पटवारियों को पात्र हितग्राहियों से संपर्क कर संबंधित कार्य पूर्ण कराने तथा उनकी ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।